

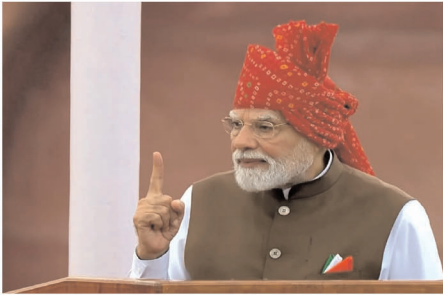
पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं  उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 53 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और उनके सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर होगा 15-दिवसीय राष्ट्रत्यापी अभियान

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और उनके सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर उनके जन्मस्थान गुजरात के वडनगर से उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी तक ‘सेवा ज्योति यात्रा’ शुरू करेगी। सुत्रों के अनुसार, यह यात्रा प्रतीकात्मक रूप से पीएम मोदी के राजनीतिक सफ़र को दिखाएगी – वडनगर में ज़मीनी स्तर से शुरुआत से लेकर वाराणसी का प्रतिनिधित्व करने वाले एक राष्ट्रीय नेता के तौर पर उनके उभरने तक का सफ़र। यह यात्रा प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों और उनके जन्मस्थान से राष्ट्रीय राजनीतिक मंच तक के सफ़र को उजागर करने के लिए आयोजित की जा रही है। सुत्रों के अनुसार, इस यात्रा में बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हो सकते हैं। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सवैधानिक सार्वजनिक पद पर 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक एक राष्ट्रत्यापी सेवा अभियान, या ‘सेवा पखवाड़ा’ आयोजित करने की योजना बना रही है। ‘सेवा संकल्प महोत्सव’ के बैनर तले आयोजित होने वाले इस 15-दिवसीय राष्ट्रत्यापी अभियान में देश भर में



स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण कार्यक्रम और स्वास्थ्य शिविर जैसी जन-सेवा और कल्याणकारी गतिविधियां शामिल होंगी। यह अभियान 7 अक्टूबर, 2026 को सार्वजनिक पद पर प्रधानमंत्री मोदी के 25 साल पूरे होने के साथ मेल खाएगा; इसी दिन 2001 में उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर इस अभियान की देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यक्रमों के समन्वय के लिए हर राज्य में सात सदस्यों की एक टीम बनाई जाएगी,

जिसमें एक मंत्री, एक संगठनात्मक महासचिव और पांच वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। बीजेपी मोदी की 25 साल की राजनीतिक यात्रा को प्रदर्शित करने वाली फोटो और डिजिटल प्रदर्शनियां आयोजित करने की भी योजना बना रही है, जिसमें उनके शासन का रिकॉर्ड, विकास पहल और कल्याणकारी योजनाएं शामिल होंगी। इन कार्यक्रमों में सुशासन, विकास और ‘अंत्योदय’ पर सेमिनार और बौद्धिक मंचों के साथ-साथ युवाओं और समाज के अन्य वर्गों के साथ बैठकें और इंटरविवट सत्र भी शामिल होने की उम्मीद है। केंद्र और राज्य सरकारों की कल्याणकारी योजनाओं और उनसे मिलने वाले फ़ायदों के बारे में लोगों को जानकारी देने के लिए खास कैंप भी लगाए जाएंगे। पार्टी सुशासन, विकास और ‘अंत्योदय’ (समाज के पिछड़े वर्गों का उत्थान) जैसे विषयों पर बौद्धिक सम्मेलन और सेमिनार आयोजित करने की भी योजना बना रही है। युवाओं और समाज के अन्य वर्गों के साथ बातचीत के सत्र आयोजित किए जाएंगे, साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों की जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए खास कैंप भी लगाए जाएंगे।

तेलंगाना में प्रदेश अध्यक्ष की नजरबंदी पर नितिन नवीन ने कांग्रेस को घेरा

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को अपनी पार्टी की तेलंगाना इकाई के प्रमुख को कथित तौर पर नजरबंद किए पर कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि संविधान पर राहुल गांधी के भाषण ‘‘पूरी तरह दिखावा’’ हैं। नवीन ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘तेलंगाना इस तानाशाही सोच का जवाब देगा।’’ यह घटनाक्रम तब हुआ जब तेलंगाना भाजपा प्रमुख एन. रामचंद्र राव को हैदराबाद में पुलिस ने कथित तौर पर नजरबंद कर दिया ताकि उन्हें नलगोंडा जाने से रोका जा सके। वह पार्टी की जिला इकाई के अध्यक्ष एन. वर्धित रेड्डी के साथ एकजुटता दिखाने जा रहे थे, जिनके घर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर हमला किया था। साउथएशियन कल्चरल इवेंट्स खोजना नवीन ने एक पोस्ट में कहा, ‘‘मैंने भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव से बात की, जिन्हें पुलिस ने गैर-कानूनी तरीके से हिरासत में ले लिया। उन्हें हमारे नलगोंडा जिला अध्यक्ष से मिलने से रोका गया, जिनके घर पर हाल ही में कांग्रेस के गुंडों ने हमला किया था।’’ भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ‘‘जब कांग्रेस के गुंडे हमला करते हैं, तो प्रशासन चुप रहता है। जब भाजपा नेता पीड़ितों से मिलने जाते हैं, तो कांग्रेस प्रशासन हमारे नेताओं को गिरफ्तार कर लेता है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘संविधान पर राहुल गांधी के भाषण पूरी तरह दिखावा हैं और तेलंगाना इस तानाशाही सोच का जवाब देगा।’’ नलगोंडा शहर में राज्य के सड़क और भवन मंत्री के वेंकट रेड्डी के कैप कार्यालय के सामने सोमवार को भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर रेड्डी के घर में तोड़फेड़ की थी। भाजपा सदस्यों ने हैदराबाद में अपने पार्टी कार्यालय के गेट पर कथित तौर पर काला रंग फेंकने के लिए युवा



कांग्रेस कार्यकर्ताओं की निंदा की। इसके जवाब में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने वेंकट रेड्डी के कार्यालय के बाहर कथित तौर पर अंडे और टमाटर फेंके, एक पुतला जलाया और एक बैनर को आंशिक रूप से फड़ दिया। तेलंगाना भाजपा प्रमुख ने ‘एक्स’ पर कहा, ‘‘कांग्रेस ने मुझे नलगोंडा जिला अध्यक्ष से मिलने से रोकने के लिए गिरफ्तार किया है, जिनके घर में कांग्रेस गुंडों ने तोड़फेड़ की थी। मैं उनके प्रति एकजुटता दिखाने के लिए उनसे मिलना चाहता था।’’ उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र और संविधान की पूरी तरह अन्वदेखी करते हुए उन्हें ‘‘गिरफ्तार’’ किया। मंगलवार को तेलंगाना के यादद्री भुवनगिरी जिले में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन किया। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर दोनों दलों के सदस्यों को वहां से हटाया। आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने भुवनगिरी से कांग्रेस विधायक के. अनिल कुमार रेड्डी के कैप कार्यालय में गमले तोड़ दिए और गेट पर काली स्याही फेंकी। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में 14 भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार विधायक के कैप कार्यालय पर हुए हमले के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय पर पत्थर फेंकने की कोशिश की।

दिल्ली मंत्रिमंडल ने घरेलू उपभोक्ताओं की छत्तों पर सौर पैनल लगाने की दी मंजूरी

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली सौर ऊर्जा नीति -2023 (दूसरा संशोधन) के तहत औसतन 400 यूनिट बिजली की खपत करने वाले 2.30 लाख उपभोक्ताओं के घरों की छत्तों पर मुफ्त में सौर पैनल लगाने का फैसला किया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को यहां पत्रकारों को बताया कि मंत्रिमंडल की बैठक में घरों की छत्तों पर तीन किलोवाट के सौर पैनल लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है जिसे मार्च 2027



तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि योजना के पूरी तरह लागू होने के बाद दिल्ली में सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन मौजूदा करीब 228 मेगावाट से बढ़कर 500 मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है और इस तरह राष्ट्रीय राजधानी के निवासी सिर्फबिजली उपभोक्ता नहीं रह जाएंगे बल्कि बिजली पैदा करने वाले बनेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले सौर प्रणाली लगवाने के लिए उपभोक्ताओं को अग्रिम राशि का भुगतान करना पड़ता था, जबकि प्रोत्साहन राशि बाद के वर्षों में मिलती थी, लेकिन नयी नीति में इस व्यवस्था को बदलते हुए शुरुआत में ही वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी गई है। गुप्ता ने बताया कि नयी व्यवस्था के तहत 400 यूनिट तक की औसत मासिक बिजली खपत वाले पात्र घरेलू उपभोक्ताओं को, सौर ऊर्जा प्रणाली की स्थापना की तकनीकी व्यवहार्यता के आधार पर, तीन किलोवाट तक का सौर पैनल बिना किसी अग्रिम लागत के उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ‘पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना’ के तहत मिलने वाली 78,000 रुपये की सब्सिडी के साथ दिल्ली सरकार भी 78,000 रुपये की पूंजीगत

सब्सिडी देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर पैनल की लागत और सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी के बीच जो अंतर आएगा वह दिल्ली सरकार अपनी तरफसे अतिरिक्त पैसा देकर पूरा करेगी। उन्होंने बताया कि इन पैनलों से अतिरिक्त बिजली सरकार को देने वाले उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ भी होगा। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि दिल्ली सरकार की मौजूदा बिजली सब्सिडी जारी रहेगी।

उन्होंने कहा, ‘‘तीन किलोवाट की सौर प्रणाली लगभग 300 यूनिट बिजली पैदा कर सकती है। यदि कोई परिवार 200 यूनिट बिजली की खपत करता है तो वह अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर उसका भी लाभ उठा सकता है। इस तरह उपभोक्ता न केवल मुफ्त बिजली का इस्तेमाल करेगे, बल्कि उसके उत्पादन में भी भागीदार बनेंगे और इस प्रक्रिया में आय भी अर्जित करेगे।’’ उन्होंने कहा कि ग्रिड में भेजी गई बिजली के लिए डिस्कॉम की औसत बिजली खरीद लागत के अनुसार भुगतान भी किया जाएगा गुप्ता ने कहा कि सरकार ने सौर प्रणाली लगाने के साथ उसके संचालन और रखरखाव की व्यवस्था को भी आसान बनाया है।

राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग पर नेशनल कॉन्फेंस श्रीनगर और जम्मू में भाजपा दफ्तरों का घेराव करेगी

श्रीनगर। नेशनल कॉन्ग्रेस (एनसी) ने मंगलवार को कहा कि वह राज्य का दर्जा बहाल करने को लेकर केंद्र सरकार की ओर से संसद और उच्चतम न्यायालय में किए गए वादों पर जवाबदेही की मांग करते हुए बुधवार को जम्मू और श्रीनगर स्थित विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालयों का घेराव करेगी। एनसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नेशनल कॉन्ग्रेस कल श्रीनगर और जम्मू स्थित भाजपा मुख्यालयों का शांतिपूर्ण घेराव करेगी। यह संसद और भारत के उच्चतम न्यायालय के समक्ष केंद्र सरकार की ओर से किए गए वादों के लिए जवाबदेही की मांग को लेकर होगा। यह घोषणा भाजपा की ओर से यहां नागरिक सचिवालय का घेराव करने की योजना के एक दिन पहले की गई है। भाजपा ने यह कदम उमर अब्दुल्ला सरकार पर चुनावी वादे पूरे करने में कथित रूप से विफल रहने के आरोप में उठाने का फैसला किया है। एनसी ने कहा, हमारी मांगें स्पष्ट हैं: सवैधानिक गारंटी, राज्य का दर्जा बहाल करना, आरक्षण संबंधी फइल को मंजूरी देना और जम्मू-कश्मीर के लोगों को न्याय दिलाना। जम्मू-कश्मीर की जनता का जनादेश कोई ब्लैक चेक नहीं है। इसका सम्मान किया जाना चाहिए, इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख नामक दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया था।



गुस्ताखी माफ़

डॉ. मोदी का क्लिनिक और विज्ञापनों का जादू



राजनीति के इस अस्पताल में 2009 की कांग्रेस सरकार ‘जादू की छड़ी नहीं है’ कहकर अपने 100 दिन में महंगाई कम करने के वादे से मुकर गई, तो 2014 में बीजेपी ‘कड़वी दवा’ का पर्चा थमाकर आ गई। पहले कार्यकाल में रेल भाड़ा, नोटबंदी और जीएसटी की गोलियां दी गईं। दूसरे में सीएए, एनआरसी, धारा 370 और अचानक लगे लॉकडाउन के बड़े ऑपरेशन हुए। जिसमें धारा 370 हटाना एक बहुत बड़ी उपलब्धि था. तीसरी पारी में लगा कि मर्ज अब ठीक होगा, पर महंगाई और बेरोजगारी की बीमारी बरकरार रही। ऊपर से ‘कॉकरोच’ नाम के नए वायरस ने तो सरकार के एक मंत्री तक को चट कर दिया! अब ढाई साल बाकी हैं, तो डॉ. मोदी फिर से सीटी स्कैन, एमआरआई और डबल डोज की तैयारी में हैं। जब मैंने इस कार्यकाल के 100 दिन के सफ़्त एक्शन प्लान और ‘मोदी जी नहीं तो कौन?’ का तर्क दिया, तो पत्रकार माधो अपनी चिर-परिचित मुस्कान के साथ बोले: –रिपोर्टे कार्ड का सच: "100 दिन की सफ़्फता वाली बुकलेट तो अस्पताल का चमचमाता बोशर है, जबकि मरीज आज भी लाइन में ही खड़ा है।

–रलोबल बहाना: "दुनिया में युद्ध हो, तो अपने घर के सिरदर्द का ठीकरा भी पड़ोसी पर फेड़ना आसान हो जाता है।"

विज्ञापन का तिलिस्म: "–अगर विज्ञापनों में वाकई सच्चाई होती, तो हाइट बढ़ाने की दवा खाकर सचिन तेंदुलकर आज भी ‘लिटिल मास्टर’ न कहलाते! और अगर ‘सर्व–सिद्ध अंगूठी’ से मुरादे पूरी होतीं, तो राहुल बाबा की यह दुर्दशा क्यों होती?"

इतना कहकर माधो भाई ठहाका मारकर गाने लगे— "यार दंगा दे गया, दुल्हन को ले गया... दिखावे पर न जाओ, अपनी अक्ल लगाओ!"

इंजी. मधुर चितलांग्या ‘माधो’व्यंगकार व संपादक दैनिक पूरब टाइम्स

अपन तो कहेंगे पूरब टाइम्स



अपन तो कहेंगे : सरकार हर चीज़ का बिल सीधे विदेशी युद्ध के नाम फ़ड़ सकती है और आपको वह मानना ही पड़ेगा.

नेपाल और भूटान सीमाओं पर खुफिया तंत्र मजबूत करने की सलाह-केंद्रीय गृह सचिव

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मंगलवार को कहा कि नेपाल और भूटान से लगी भारत की खुली सीमाओं की चौकसी में लगे सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को नई ‘चतुष्कोणीय’ सीमा सुरक्षा योजना के तहत भारत के लिए सद्भावना पैदा करने और इन इलाकों में खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने के लिए स्थानीय लोगों से जुड़ने की अपनी ‘मूल भूमिका’ पर वापस लौटना चाहिए। मोहन ने बल के एक अलंकरण समारोह में अपने संबोधन में कहा कि एसएसबी का काम ‘अनोखा’ है क्योंकि यह उन दो देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा करता है, जिनके साथ भारत के दोस्ताना संबंध हैं। एसएसबी को 1962 में चीन के हमले के बाद कैबिनेट सचिवालय के तहत बनाया गया था।

बाद में 2001 में इसे गृह मंत्रालय को सौंप दिया गया और उसी साल इसे 1,751 किलोमीटर लंबी भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई। वर्ष 2004 में 699 किलोमीटर लंबी भारत-भूटान सीमा की सुरक्षा का काम भी इसे सौंपा गया। गृह सचिव ने कहा, ‘‘जब 1961-62 के दौरान एसएसबी की योजना बनाई गई थी तो इसका मुख्य मकसद भारत के



‘‘धीरे-धीरे हमने देखा कि यह बात कम होती गयी और एक सशस्त्र बल के तौर पर एसएसबी की भूमिका बढ़ती गई।’’

‘‘उन्होंने कहा,‘‘ गृह मंत्रालय में हमारा मानना है कि एसएसबी को अपने मौजूदा काम को बनाए रखते हुए, अपनी उस मूल भूमिका में लौटने के लिए कदम उठाने चाहिए जिसके लिए इसे बनाया गया था।’’ मोहन ने कहा, ‘‘एसएसबी को इन क्षमताओं को मजबूत करना चाहिए।

मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि गृह मंत्रालय किसी भी जरूरत के लिए हमेशा मदद को तैयार रहेगा।’’ गृह सचिव ने कहा कि ये उपाय गृह मंत्रालय और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उस योजना को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण हैं, जिसके तहत निकट भविष्य में भारत के लिए सीमा सुरक्षा का एक ‘चतुष्कोणीय’ तंत्र स्थापित किया जाना है।

सार-संक्षेप

मिनी माता सम्मान (महिला उत्थान) वर्ष 2026 हेतु आवेदन आमंत्रित

पूरबटाइम्स दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं, विशेष रूप से अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक महिलाओं के उत्थान हेतु उत्कृष्ट कार्य करने वाली एक महिला/अशासकीय संस्था को प्रतिवर्ष मिनी माता सम्मान (महिला उत्थान) प्रदान किया जाता है। पुरस्कार के रूप में एक महिला/संस्था को दो लाख रुपये की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका सम्मान के रूप में प्रदान किया जाएगा। उक्त पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को 25 सितम्बर 2026 तक सीलबंद लिफाफे में एवं लिफाफे के ऊपर मिनी माता सम्मान (महिला उत्थान) वर्ष 2026 अंकित कर निर्धारित प्रारूप में जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त प्रविधियों पर विचार नहीं किया जाएगा। पुरस्कार के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए जिले की वेबसाईट www.durg.gov.in का अवलोकन किया जा सकता है।

'वीरांगना' रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

पूरब टाइम्स दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं, विशेष कर वीरता, शौर्य, साहस तथा महिलाओं में आत्मबल को सशक्त करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से “वीरांगना” रानी अवतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार वर्ष 2026 प्रदान किया जाना है। पुरस्कार के रूप में एक महिला को दो लाख रुपये की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका सम्मान के रूप में प्रदान किया जाएगा।

उक्त पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को दिनांक 25 सितम्बर 2026 तक सीलबंद लिफफे एवं लिफफे के ऊपर "वीरांगना" रानी अवतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार वर्ष 2026 अंकित कर निर्धारित प्रपत्र में जमा करना होगा। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त प्रविधियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

सेमरिया की समस्या पर कलेक्टर की नजर, खबर के बाद तत्काल स्वीकृत हुए दो निर्माण कार्य

–विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (जी–राम–जी) योजना के तहत 12.05 लाख की लागत से बनेगा पुल–पुलिया और मिट्टी–मुरुम रोड –ग्रामीणों को मिलेगी आवागमन में राहत –बागहूमर से सेमरिया तक सड़क नवीनीकरण का शासन को प्रस्ताव भी

पूरब टाइम्स दुर्ग। जिले के जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत ग्राम सेमरिया में सड़क एवं आवागमन की समस्या को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर अभिजित सिंह ने त्वरित समाधान का आधासन देते हुए जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश पर जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दुबे ने जनपद पंचायत धमधा से आवश्यक निर्माण कार्यों का प्राकलन प्राप्त किया। प्राकलन के परीक्षण एवं निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बाद ग्राम सेमरिया में दो निर्माण कार्यों के लिए कुल 12.05 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत कार्यों में 8.48 लाख की लागत से पुल–पुलिया निर्माण तथा 3.57 लाख की लागत से मिट्टी–मुरुम सड़क निर्माण शामिल है। दोनों कार्यों के पूरा होने से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा बारिश के दौरान जल निकासी एवं सड़क संपर्क से जुड़ी समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

स्थल निरीक्षण के बाद तत्काल कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया

प्रशासनिक स्वीकृति के बाद तकनीकी सहायक, सरपंच

मोर गांव मोर पानी अभियान में महिलाओं की बड़ी पहल, श्रमदान से बनाए 3360 सोख्ता गे

– ग्रे–वाटर के सुरक्षित प्रबंधन की दिशा में दुर्ग जिले में जनभागीदारी का अनूठा उदाहरण, स्व–सहायता समूहों की महिलाओं ने अपने घरों से की बदलाव की शुरुआत **पूरब टाइम्स दुर्ग।** कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रे–वाटर यानी घरेलू गंदे पानी के सुरक्षित प्रबंधन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ‘मोर गांव मोर पानी’ अभियान के तहत स्व–सहायता समूहों की महिलाओं एवं स्वच्छताप्राहियों द्वारा श्रमदान से 3360 सोख्ता गड्डों (सोक पिट) का निर्माण किया गया है। अभियान का उद्देश्य घरों से निकलने वाले निस्तारित एवं गंदे पानी को गलियों, रास्तों और सार्वजनिक स्थानों पर खुले में बहने से रोकना है। इससे गांवों में गंदगी और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के साथ–साथ पानी के प्राकृतिक निस्तारण एवं भू–जल पुनर्भरण को भी बढ़ावा मिलेगा।



जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि ‘मोर गांव मोर पानी’ अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रे–वाटर के सुरक्षित प्रबंधन को लेकर जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जा रही है। महिलाओं द्वारा स्वयं आगे बढ़कर अपने घरों से इस अभियान की शुरुआत करना ग्रामीण समुदाय के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। **‘पहले खुद से शुरुआत’ बनी अभियान की पहचान**–इस पहल की खास बात है कि पुनर्भरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

‘नेतृत्व परिवर्तन और स्वयं से शुरुआत’ की प्रेरणादायक थीम के साथ अपने घरों से ही अभियान की शुरुआत की। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुरु किए गए इस अभियान को अपशिष्ट जल प्रबंधन सप्ताह के रूप में आगे बढ़ाया गया। महिलाओं ने संकल्प लिया कि यदि उनके घरों से निकलने वाला गंदा पानी खुले में बह रहा है, तो वे सबसे पहले अपने घर के आसपास सोख्ता गड्डे का निर्माण करेंगी। इसके बाद अन्य ग्रामीण परिवारों को भी इसके लिए प्रेरित किया गया। **श्रमदान से तैयार हो रहे सोख्ता गड्डे** अभियान पूरी तरह जनभागीदारी और श्रमदान पर आधारित है। स्वच्छताप्राहियों, एवं स्व–सहायता समूहों की महिलाओं ने आपसी सहयोग से घरों के आसपास लगभग 2 से 3 फीट गहरे गड्डे तैयार किए। इनमें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध ईट, पत्थर और कंकड़ आदि सामग्री का उपयोग किया गया, जिससे घरेलू पानी जमीन में सुरक्षित रूप से सोख सके और भू–जल पुनर्भरण में मदद मिले। सेंटिक टैंक के ओवरफ्लो पानी का भी सुरक्षित प्रबंधन अभियान का दायरा केवल सामान्य घरेलू ग्रे–वाटर तक सीमित नहीं है। ऐसे ग्रामीण परिवार, जिनके घरों में सेंटिक टैंक युक्त शौचालय हैं और टैंक के ओवरफ्लो होने से गंदा पानी खुले में बह रहा था, उन्हें भी अभियान से जोड़ा गया है। ऐसे स्थानों पर विशेष सोक पिट एवं सोख्ता गड्डों के माध्यम से पानी के सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था की जा रही है।

सोख्ता गड्डों का निर्माण तकनीकी रूप से सही तरीके से हो, इसके लिए जनपद पंचायत स्तर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, करारोपण अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी, विकासखण्ड समन्वयक एवं तकनीकी सहायकों द्वारा स्व–सहायता समूहों की महिलाओं को प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया गया। अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में विवाह पंजीयन संबंधी श्रेणी में दर्ज हुआ। अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को समझा और तुरंत आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी। संबंधित स्तर पर प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराया गया और नेहा का विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र तैयार कर दिया गया। प्रमाण पत्र हाथ में आते ही नेहा के चेहरे पर खुशी छाई।

शिक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देवें अधिकारी

–नशा के खिलाफ

जनजागरुकता अभियान रखें जारी

– संभाग आयुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक

पूरब टाइम्स दुर्ग। संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने आज संभागीय कार्यालय के सभा कक्ष में विभिन्न विभागों के संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, नशे के खिलाफ जनजागरुकता अभियान, निर्माण कार्य, जलाशयों में पानी का भराव और प्राथमिक सहकारी समिति गठन के संबंध में जानकारी ली। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने कहा कि संभाग के अंतर्गत स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था बेहतर ढंग से हो, विद्यार्थियों को स्कूल से किसी प्रकार की शिकायतें न हो, व्यवस्था को बेहतर बनाने शिक्षा विभाग द्वारा हर संभव प्रयास किया जाए। उन्होंने संयुक्त संचालक शिक्षा को निर्देशित किया कि विभिन्न स्कूलों में निलंबित शिक्षकों को आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच प्रारंभ करने हेतु उन्हें सेवा में पुनः बहल कर विद्यार्थियों की दर्जन संख्या के आधार पर स्कूलों में पदस्थ कर उनकी सेवाएं ली जाएं। साथ ही विद्यार्थियों एवं ग्रामीणजनों के प्रति बेहतर एवं अनुशासित ढंग से व्यवहार करने की समझाईश दी जाए। संभाग आयुक्त ने नोडल अधिकारी उच्च शिक्षा को विभागीय समन्वय से स्कूलों एवं कालेजों में नशा के

मुफ्त वितरण वालों को 4 पेज दिया जाएगा

भगुतान में वितरण वालों को 8 पेज दिया जाएगा।

भिलाई, रिसाली और भिलाई-चरोदा नगर निगम के वार्डों का आरक्षण 9 को

कला मंदिर भिलाई में पूर्वाह्न

11 बजे से शुरू होगी वार्ड

आरक्षण प्रक्रिया

दुर्ग। जिले के नगरीय निकायों में निष्पक्ष एवं पारदर्शितापूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित करने की दिशा में प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियां जारी हैं। इसी क्रम में कलेक्टर अभिजित सिंह ने छत्तीसगढ़ नगर पालिका (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं महिलाओं के लिए वार्डों का आरक्षण) नियम, 1994 के तहत जिले के तीन प्रमुख नगर पालिक निगमों– भिलाई, रिसाली और

भिलाई–चरोदा के वार्डों का आरक्षण तय करने हेतु औपचारिक आदेश जारी कर दिया है। जारी समय–सारणी के अनुसार, तीनों नगर निगमों का वार्डवार आरक्षण कार्यक्रम 09 सितंबर 2026 को सेक्टर–6, भिलाई स्थित कला मंदिर (सिविक सेंटर) में आयोजित किया जाएगा। तत् कार्यक्रम के तहत पूर्वाह्न 11.00 बजे से नगर पालिक निगम भिलाई, अपराह्न 03 बजे से नगर पालिक निगम रिसाली तथा सायंकाल 05.00 बजे से नगर पालिक निगम भिलाई–चरोदा के वार्डों के आरक्षण की कार्यवाही संपन्न की जाएगी



खिलाफ जनजागरुकता अभियान को जारी रखने निर्देशित किया। इस अभियान के तहत युवा वर्ग को नशे के खिलाफचेत किया जाए। उन्होंने सीजीएमएससी एवं निर्माण कार्य एजेंसी विभागों के स्वीकृत एवं प्रातिरस्त कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कर संबंधित विभाग को, हैण्डओवर करने निर्देशित किया

ताकि सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

समीक्षा के दौरान क्रेडा विभाग के अधिकारी ने बताया कि संभाग अंतर्गत सौर सुजला योजना का लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। विभिन्न स्थानों में 1300 सौर लैम्प लगाये जा चुके हैं। इसी प्रकार जल संसाधन विभाग के अधिकारी ने बताया कि खपरी और मंटियामोती जलाशय में जल भराव 100 प्रतिशत हो चुकी है, वहीं तांदुला, खरखरा, मोहड़ सहित

अन्य जलाशयों में 80 से 85 प्रतिशत जल भराव हुआ है। संयुक्त आयुक्त सहकारिता ने अवगत कराया कि शासन के मंशानुरूप संभाग के प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्राथमिक सहकारी समिति बनायी जा रही है। अब तक मत्स्य, ग्रुध एवं वनोपज से संबंधित 1330 नवीन समिति बनायी जा चुकी है।



धान खरीदी पंजीयन- संस्थागत छूट समाप्त, बिना एग्रीस्टेक पंजीयन नहीं बितेगा धान

–धान खरीदी 2026–27 संस्थागत और सह–खातेदार किसानों के लिए एकीकृत किसान पंजीयन एवं एग्रीस्टेक बकेट वलेम अनिवार्य

पूरब टाइम्स दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज पीडब्ल्यूडी के सभाकक्ष में एग्रीस्टेक एवं बकेट वलेम में किसानों के पंजीयन के संबंध में सभी अनुविभागीय अधिकारियों, कृषि विभाग, सहकारिता निरीक्षक, कृषि विस्तार अधिकारी, अधीक्षक भू–अभिलेख, सहायक अधीक्षक एवं सभी समिति प्रबंधकों की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसानों का शत–प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। सहखातेदार सभी का पंजीयन होना चाहिए। बकेट वलेम में किसानों के पंजीयन लंबित है जिसके लिए कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि इस वर्ष धान बिक्री के लिए एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन एवं सह–खातेदारों का बकेट वलेम (सहमति सत्यापन) अनिवार्य रहेगा। बकेट वलेम जब किसी कृषि भूमि में एक से अधिक हिस्सेदारी दर्ज होते हैं, तो उसे संयुक्त खाता कहते हैं। प्रत्येक हिस्सेदार के नाम से बकेट आई डी बनता है, इस बकेट को एग्रीस्टेक में पंजीयन कराना ही बकेट वलेम कहा जाता है।

विशेष शिविर लगाकर पूर्ण करने के निर्देश

कलेक्टर ने अधिकारियों एवं समिति प्रबंधकों को सख्त निर्देश दिये हैं बकेट वलेम और किसानों के पंजीयन का कार्य समय–सीमा में पूरा करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएं। इन शिविरों के माध्यम से स्थल पर ही सह खातेदारों का सत्यापन, ओटीपी आधारित सहमति और पंजीयन प्रक्रिया को पूर्ण करने को कहा।

संस्थागत छूट समाप्त, पंजीयन अनिवार्य

कलेक्टर ने कहा कि पिछले वर्षों में संस्थागत पंजीयन वाले किसानों को जो विशेष छूट दी गई थी, उसे इस वर्ष पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। अब संस्थागत सहित सभी श्रेणियों के किसानों का पोर्टल पर पंजीयन होना अनिवार्य है। जिन किसानों का पंजीयन नहीं होगा, वे धान बिक्री से वंचित रह जाएंगे। उन्होंने समिति प्रबंधकों एवं



संबंधित अमले को सभी लंबित बकेट वलेम का कार्य तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सह–खातेदारों का ओटीपी के माध्यम से सत्यापन संयुक्त खाते की स्थिति में सभी सह–खातेदारों (जैसे भाई, बहन या अन्य हिस्सेदार) का बकेट वलेम अनिवार्य किया गया है। यदि सह–खातेदार बाहर या दूसरे शहर में रहते हैं, तो उनका भौतिक रूप से उपस्थित होना आवश्यक नहीं है। समिति या केंद्र से उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजकर ऑनलाइन सहमति प्राप्त की जा सकती है। जब तक सभी सह–खातेदारों का सत्यापन पूर्ण नहीं होगा, तब तक धान खरीदी की प्रक्रिया नहीं बढ़ेगी। **पंजीयन न कराने वालों से घोषणा पत्र अनिवार्य** जो किसान या संस्थागत खाताधारक इस वर्ष धान नहीं बेचना चाहते हैं, उनसे लिखित घोषणा पत्र लिया जाएगा। इसमें यह दर्ज रहेगा कि वे स्वेच्छा से पंजीयन नहीं करा रहे हैं और भविष्य में धान न बिकने पर समिति की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

दस्तावेजों की जांच और नोटिस की तामीली

समिति प्रबंधकों को निर्देशित किया गया है कि लंबित बकेट वलेम वाले किसानों को जारी नोटिस की विधिवत तामीली कराएं। तामीली रसीद पर अधिकृत व्यक्ति का नाम, पद, हस्ताक्षर और तिथि स्पष्ट रूप से दर्ज होनी



ज्ञान-विज्ञान की बातें

भारत-अमेरिका मिलकर बनाएंगे जैवलिन मिसाइल



अमेरिका, भारत के जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम खरीदने के फैसले से बहुत खुश है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा है कि भविष्य में इस सिस्टम का भारत में मिलकर उत्पादन (को-प्रोडक्शन) किया जा सकता है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने पोस्ट किया, "अमेरिका, भारतीय सेना द्वारा अमेरिकी फ़ैन मिलिट्री सेल्स प्रोसेस के जरिए जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम खरीदने के लिए 'लेटर ऑफ़ऑफ़र एंड एक्सेप्टेंस' (LOA) पर हस्ताक्षर करने का स्वागत करता है। यह अहम कदम अमेरिका और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच मजबूत साझेदारी को दिखाता है। यह अमेरिका और भारत के रक्षा उद्योगों के बीच भविष्य में सहयोग के रास्ते खोलता है।

दूतावास के अनुसार, गोर ने कहा, "यह समझौता एक ऐसी रक्षा साझेदारी को दर्शाता है जो और गहरी, ज्यादा सक्षम और ज्यादा महत्वपूर्ण होती जा रही है।" X पर गोर ने पोस्ट किया: "बड़ी खबर! भारत युद्ध में परखे जा चुके जैवलिन एंटी-टैंक सिस्टम को खरीदने की योजना बना रहा है। जैसा कि मई 2026 के शांगरी-ला डायलॉग में @secwar ने बताया था, यह अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में एक बड़ा कदम है और मिलकर उत्पादन करने की संभावनाओं के रास्ते खोलता है। हमारे दोनों देशों के बीच जुड़ाव रिकॉर्ड स्तर पर है!"

दूतावास ने राजदूत के हवाले से कहा, "जैवलिन समझौता भारतीय सेना के लिए अमेरिकी समर्थन की गहराई को दिखाता है और हमारे रक्षा उद्योगों के लिए साथ मिलकर काम करने के नए मौके बनाता है। हम भविष्य के सहयोग के लिए बहुत ज्यादा संभावनाएँ देखते हैं जो दोनों देशों के रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करेगा।" LOA पर हस्ताक्षर के साथ, भारत जैवलिन सिस्टम का ग्राहक बन गया है। यह एक एडवांस्ड, मीडियम-रेंज, 'फ़ायर-एंड-फ़ॉरगेट' (दागो और भूल जाओ) एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है। अमेरिकी सेना, अमेरिकी मरीन कॉर्प्स और कई अंतरराष्ट्रीय ग्राहक जैवलिन का इस्तेमाल करते हैं।

जैवलिन एक 'मैन-पोर्टेबल' (आसानी से ले जा सकने वाला) एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम है जिसे लॉकहीड मार्टिन और RTX ने मिलकर बख़तरबंद लक्ष्यों के खिलाफइस्तेमाल के लिए विकसित किया है। अमेरिका और सहयोगी सेनाओं ने इस सिस्टम को बड़े पैमाने पर तैनात किया है। कंधे से फ़ायर किए जाने वाले इस सिस्टम में एक ऑटोमैटिक गाइडेंस मैकेनिज्म है जो मिसाइल को लॉन्च के बाद अपने लक्ष्य को ट्रैक करने की सुविधा देता है, जिससे ऑपरेटर कवर ले सकता है और जवाबी हमले से बच सकता है। सैनिक या मरीन फ़ायर करने के बाद अपनी जगह बदल सकते हैं या किसी दूसरे खतरे से निपटने के लिए दोबारा लोड कर सकते हैं। यह मिसाइल ऊपर से हमला करने वाले घुमावदार रास्ते (आर्च-शाड टॉप-अटैक ट्रैजेक्टरी) का इस्तेमाल करती है। यह अपने टारगेट के ऊपर जाती है और फिर वहाँ हमला करती है जहाँ कवच कमजोर होता है। गनर कर्सर का इस्तेमाल करके टारगेट चुनता है, जिसके बाद कमांड लॉन्च यूनिट मिसाइल को 'लॉन्च से पहले लॉक-ऑन' का सिग्नल भेजती है। इसके 'सॉफ़्ट-लॉन्च' डिजाइन की वजह से इस सिस्टम को इमारतों और बंकरों जैसी बंद जगहों से भी सुरक्षित रूप से फ़ायर किया जा सकता है।

मनोविज्ञान के अनुसार कथों होती है लड़कों की ये अजीब आदत हवा में कथों करने लगते हैं बैटिंग और बॉलिंग

कई बार आपने देखा होगा कि कुछ लड़के चलते-चलते अचानक हवा में गेंद फेंकने या बैटिंग करने जैसी हरकतें करने लगते हैं। कभी हाथ से काल्पनिक बॉल डालना, कभी बल्ला घुमाने का अंदाज बनाना या अकेले में क्रिकेट की कल्पना करना एक आम आदत है। देखने में यह मजेदार लग सकता है, लेकिन इसके पीछे इंसानी दिमाग की दिलचस्प मनोवैज्ञानिक वजहें भी हो सकती हैं।

बचपन की यादों से जुड़ा कनेक्शन क्रिकेट भारत में सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। बचपन से ही बच्चे क्रिकेट खेलते, देखते



और उसके बारे में सोचते हैं। यही अनुभव दिमाग में गहराई से दर्ज हो जाते हैं। जब कोई व्यक्ति खाली समय में या किसी स्थिति में अनजाने में हवा में बैटिंग या बॉलिंग करता है, तो यह अक्सर बचपन की उसी खेल भावना और यादों का हिस्सा होता है।

दिमाग में चलती है कल्पना की दुनिया- मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, इंसान का दिमाग कल्पना करने की क्षमता रखता है। कई लोग खुद को किसी मैच की स्थिति में सोच लेते हैं। कोई खुद को आखिरी ओवर में

जिस व्यक्ति को किसी खेल से ज्यादा लगाव होता है, वह अक्सर उससे जुड़े छोटे-छोटे व्यवहार दोहराता है। क्रिकेट प्रेमियों में गेंद पकड़ने, बैट घुमाने या बॉलिंग एक्शन की नकल करने की आदत इसी जुड़ाव का हिस्सा हो सकती है। आत्मविश्वास और प्रदर्शन की प्रैक्टिस खिलाड़ियों में तो यह आदत और भी आम होती है। कई क्रिकेटर मैदान पर उतरने से पहले अपने शॉट्स या गेंदबाजी एक्शन की कल्पना करते हैं। इसे मानसिक तैयारी का हिस्सा माना जाता है। हालांकि आम लोगों में यह सिर्फ एक मजेदार आदत होती है, जो खेल के प्रति पसंद और दिमाग की रचनात्मक सोच को दिखाती है।

वाहन खरीदने के छह महीने तक आरसी ट्रांसफर नहीं कराई तो बदल सकता है मालिकाना हक! सरकार का नया मसौदा नियम

पुरानी कार या बाइक खरीदने के बाद RC (Registration Certificate) अपने नाम ट्रांसफर कराना बेहद जरूरी है। अब केंद्र सरकार ने वाहन के मालिकाना हक के ट्रांसफर और अधिकृत डीलरों के जरिए पुराने वाहनों की बिक्री को लेकर नए नियमों का मसौदा पेश किया है। इसमें छह महीने की समय सीमा का प्रावधान चर्चा में है।

हालांकि, यहां यह समझना जरूरी है कि छह महीने बाद मालिकाना हक बदलने का प्रस्ताव आम व्यक्ति द्वारा खरीदे गए वाहन पर सीधे लागू होने वाला नियम नहीं है। यह मुख्य रूप से उस वाहन के लिए प्रस्तावित है, जिसे पंजीकृत मालिक ने अधिकृत डीलर को सौंप दिया है और Form 29C के जरिए इसकी सूचना दी गई है।

क्या है सरकार का नया प्रस्ताव? सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने Central Motor Vehicles Rules, 1989 में बदलाव का मसौदा जारी किया है। इसका उद्देश्य खासकर संगठित सेकंड-हैंड वाहन कारोबार में वाहन के एक डीलर से दूसरे डीलर तक जाने और अंतिम खरीदीदार के नाम ट्रांसफर होने की प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी बनाना है।

प्रस्ताव के मुताबिक :

- अधिकृत डीलर को वाहन मिलने के बाद उसकी जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज की जाएगी। एक डीलर से दूसरे अधिकृत डीलर के पास वाहन जाने पर Form 29C का इस्तेमाल प्रस्तावित है।
- डीलर से डीलर वाहन ट्रांसफर की संख्या अधिकतम दो रखने का प्रस्ताव है।
- Form 29C दाखिल होने के बाद वाहन छह महीने से ज्यादा समय तक डीलर के पास बिना Form 30 के नहीं रखा जा



सकेगा।

छह महीने बाद क्या होगा? प्रस्तावित नियम के अनुसार, यदि Form 29C दाखिल होने की तारीख से छह महीने के भीतर वाहन का मालिकाना हक Form 30 के जरिए किसी खरीदीदार को ट्रांसफर नहीं होता है तो वाहन का मालिकाना हक आखिरी अधिकृत डीलर के नाम अपने आप ट्रांसफर होने का प्रस्ताव है। यह बदलाव VAHAN सिस्टम में दर्ज किया जाएगा।

उदाहरण के तौर पर, अगर किसी वाहन को मालिक ने डीलर, को सौंपा और बाद में वह डीलर B के पास चला गया, तो छह महीने की समयसीमा के भीतर अंतिम रीदार के नाम Form 30 से ट्रांसफर होना जरूरी होगा। ऐसा नहीं होने पर प्रस्ताव के मुताबिक आखिरी डीलर

के नाम मालिकाना हक दर्ज हो सकता है।

क्या आम वाहन खरीदार को छह महीने में RC ट्रांसफर कराना होगा? यहां भ्रम दूर करना जरूरी है। मौजूदा सामान्य RC ट्रांसफर प्रक्रिया में खरीदार के लिए अलग समयसीमा लागू है। एक ही राज्य में वाहन की बिक्री होने पर सामान्यतः ट्रांसफर की सूचना और आवेदन निर्धारित समय में करना होता है। संबंधित परिवहन विभाग के अनुसार, सामान्य ट्रांसफर के लिए Form 29 और Form 30 का इस्तेमाल किया जाता है।

इसलिए नए मसौदे की छह महीने वाली शर्त को सीधे यह कहना कि "हर खरीदार छह महीने में RC ट्रांसफर नहीं कराएगा तो गाड़ी का मालिकाना हक बदल जाएगा", सही नहीं होगा।

Form 29C क्यों लाया जा रहा है?—नए मसौदे में Form 29C को अधिकृत डीलरों के बीच वाहन की आवाजाही दर्ज करने के लिए प्रस्तावित किया गया है। इससे क्या होगा : – किस डीलर के पास वाहन है, इसका रिकॉर्ड रहेगा।

- वाहन के एक डीलर से दूसरे डीलर तक जाने की जानकारी VAHAN पर दर्ज होगी।
- वाहन के अंतिम खरीदार तक पहुंचने की प्रक्रिया ज्यादा ट्रैक योग्य होगी।
- पुराने वाहनों की बिक्री में पारदर्शिता बढ़ सकती है।
- किन वाहनों के ट्रांसफर पर रोक लग सकती है?

मसौदे में प्रस्ताव है कि कुछ परिस्थितियों में वाहन का डीलर को ट्रांसफर नहीं किया जा सकेगा। इनमें शामिल हैं :– RC वैध नहीं होना- इंश्योरेंस वैध नहीं होना

- PUC प्रमाणपत्र वैध नहीं होना
- पेंडिंग ट्रैफिक वालान
- बकाया टैक्स या यूजर फ़ीस

PhonePe ने फीचर फोन यूजर्स के लिए UPI 123Pay सर्विस जिससे बिना इंटरनेट भी करे UPI पेमेंट

फोन पे ने फीचर फोन चलाने वाले लोगों के लिए नई UPI सर्विस शुरू की है. अब ऐसे लोग भी अपने फीचर फोन से UPI के जरिए पेमेंट कर सकेंगे. इसके लिए उन्हें हर बार स्मार्टफोन की जरूरत नहीं पड़ेगी. हालांकि, यह सुविधा उन्हीं फीचर फोन में मिलेगी, जो इस सर्विस को सपोर्ट करते हैं.



फिहाल फोन पे ने कई कंपनियों के कुछ फीचर फोन में यह सुविधा दी है. आने वाले समय में और भी फीचर फोन इस सर्विस से जुड़ सकते हैं. ऐसे में जिन लोगों के पास स्मार्टफोन नहीं है, उनके लिए ऐसे भेजना और पेमेंट करना पहले के मुकाबले आसान हो जाएगा.

बिना इंटरनेट चलेगी फोन पे की UPI123 पे सर्विस

फोन पे ने प्रेस रिलीज के जरिए बताया है कि उसकी UPI 123पे सर्विस अब पूरे भारत में सपोर्टेड फीचर फोन पर उपलब्ध है. खास बात यह है कि यह सर्विस बिना इंटरनेट के काम करती है और SMS के जरिए ट्रॉजैक्शन को पूरा करती है. यानी कम 2G कनेक्टिविटी वाले इलाकों में रहने वाले यूजर्स भी इससे पैसे भेजने और दुकानदारों को पेमेंट करने जैसे काम आसानी से कर सकेंगे.

UPI 123 Pay से मिलेगी कई सुविधाएं

UPI 123Pay के जरिए यूजर्स एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को पैसे भेजने, मर्चेट पेमेंट करने, बैंक बैलेंस चेक करने और ट्रॉजैक्शन हिस्ट्री देखने जैसे काम कर सकते हैं. फोन पे का कहना है कि आने वाले अपडेट्स में बिल पेमेंट, मोबाइल रिचार्ज और आधार के जरिए UPI रजिस्ट्रेशन जैसी सुविधाएं भी जोड़ी जाएंगी. इस सर्विस के जरिए कंपनी देश के 200 मिलियन से ज्यादा फीचर फोन यूजर्स तक UPI की सुविधा पहुंचाना चाहती है.

इन फीचर फोन में कर सकेंगे आसानी से UPI पेमेंट

HMD ने बताया है कि HMD

105 2G, HMD 110 2G, Nokia 105 Classic, Nokia 105 Single SIM, Nokia 105 Dual SIM, Nokia 106 और Nokia 123 Shield जैसे फोन में इसका सपोर्ट मिलेगा. आने वाले समय में कुछ और HMD और Nokia फोन में भी यह सुविधा जोड़ी जा सकती है.

UPI 123पे शुरू करने में मिलेगी पूरी मदद

इस सर्विस को शुरू करना भी आसान होगा. फोन पे यूजर्स की मदद के लिए UPI से चलने वाली वॉइस हेलपलाइन दे रहा है. यानी अगर आपको सेटअप करने में परेशानी हो, तो फोन पर बात करके

मदद ले सकते हैं. यह सुविधा अंग्रेजी के साथ 12 भारतीय भाषाओं में काम करती है. इसमें आपको एक-एक करके बताया जाएगा कि UPI 123पे कैसे शुरू करना है. साथ ही, UPI से जुड़े सवालों के जवाब भी मिल जाएंगे.

फीचर फोन में ऐसे करें PhonePe UPI सेटअप

सर्विस सेटअप करने के लिए यूजर्स को अपने कंैटिबल फीचर फोन में पहले से इंस्टॉल PhonePe ऐप खोलना होगा. इसके बाद टर्म्स एंड कंडीशंस एग्री करके अपना बैंक चुनना होगा. फिर डेबिट कार्ड के आखिरी 6 अंक और उसकी एक्सपायरी डेट दर्ज करनी होगी. इसके बाद PI PIN सेट करते ही रजिस्ट्रेशन पूरा हो जाएगा.

रजिस्ट्रेशन होने के बाद फीचर फोन से भी आसानी से UPI पेमेंट किया जा सकेगा. यूजर्स किसी कॉन्टैक्ट, मोबाइल नंबर या PI ID पर पैसे भेज सकते हैं. अगर फीचर फोन में कैमरा है, तो QR कोड स्कैन करके भी पेमेंट करने का ऑप्शन मिलेगा.

पेमेंट के दौरान पहले रिसीवर की डिटेल्स चेक करनी होंगी, फिर रकम दर्ज करके UPI PIN डालना होगा. इसके बाद पेमेंट कन्फर्म करते ही ट्रॉजैक्शन पूरा हो जाएगा.

Audi Q3 की बुकिंग शुरू हो चुकी है. कस्टमर्स 1 लाख रुपये देकर ऑफलाइन और ऑनलाइन करें बुक

ऑडी इंडिया ने भारत में तीसरी पीढ़ी यानि थर्ड जनरेशन की Audi Q3 के लिए बुकिंग शुरू कर दी है. त्योहारों के सीजन में होने वाली इसकी आधिकारिक लॉन्चिंग की दिशा में यह कंपनी का पहला स्टेप है. ग्राहकaudi.in, myAudi कनेक्ट ऐप या डीलरशिप के जरिए 1 लाख रुपये देकर इसकी ऑनलाइन या ऑफ़लाइन बुकिंग कर सकते हैं. ऑडी की SUV लाइनअप में एंट्री करने की सोच रहे खरीदारों के लिए अब यह नई Q3 सिर्फ एक झलक भर नहीं है, बल्कि BMW X1 और मर्सिडीज-बेंज तज़्ज़ुको टक्कर देने के लिए आने वाली इस हाइटेक कार को खरीदने का मौका है. आधिकारिक तौर पर इसकी कीमत का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन अनुमान के मुताबिक इसकी एक्स-शोरूम कीमत 48 लाख रुपये से 60 लाख रुपये के बीच हो सकती है.

2026 Audi Q3: बुकिंग कैसे करें?

1 लाख रुपये की बुकिंग राशि ऑनलाइन या किसी भी ऑडी इंडिया डीलरशिप के जरिए दी जा सकती है. इससे त्योहारों के सीजन में शोरूम में कार आने से पहले आपको डिलीवरी की लाइन में प्राथमिकता मिल जाएगी. ऑडी ने अभी तक इसके वेरिएंट्स, भारत में आने वाले इंजन या डिलीवरी की तारीखों की पूरी जानकारी साझा नहीं की है.

हालांकि, भारतीय मॉडल में 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलने की सबसे ज्यादा उम्मीद है, जो 204 bhp की पावर और 320 Nm का टॉर्क जनरेट करता है. इसमें 7-स्पीड डुअल-क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन मिलेगा. इसके अलावा क्राइो ऑल-व्हील ड्राइव (AWD) केवल टॉप-मॉडल में मिलने के बजाय सभी वेरिएंट्स में



स्टैंडर्ड मिल सकता है. शुरुआती बुकिंग करने वालों के लिए सबसे बड़ा फायदा गाड़ियों की प्राथमिकता से डिलीवरी मिलना हो सकता है, क्योंकि पुरानी Q3 बिना किसी बड़े बदलाव के सालों से बिक रही थी और इस नए मॉडल की मांग शुरुआती महीनों में काफी ज्यादा रहने की उम्मीद है.

2026 Audi Q3: डिजाइन और केबिन में क्या बदला है?

यह नई जनरेशन पुराने मॉडल के मुकाबले साइज और डिजाइन के मामले में एक बड़ा बदलाव है. इसकी लंबाई 4,531mm, चौड़ाई 1,859mm ऊंचाई 1,623mmऔर व्हीलबेस 2,681mm है, जो हर मामले में पुरानी कार से बड़ी है. अंदर की तरफ केबिन में 12.8-इंच का टचस्क्रीन और 11.9-इंच का डिजिटल इंड्रैवर डिस्प्ले मिलता है. गियर बदलने के लिए कंसोल

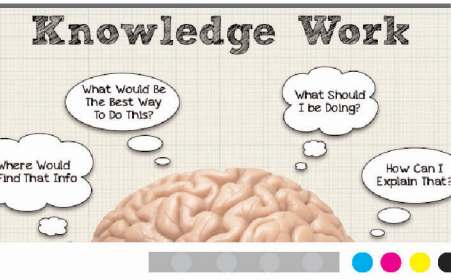
के बजाय स्टीयरिंग के पास स्टॉल-माउंटेड गियर सेलेक्टर दिया गया है. इसके अलावा सोनोस साउंड सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ़ वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी और 488-लीटर का बूट स्पेस मिलता है. ऑडी ने सभी फीचर्स को टचस्क्रीन में डालने के बजाय सेंटर कंसोल पर जरूरी कामों के लिए फिजिकल बटन भी दिए हैं, जिससे गाड़ी चलाते समय इन्हें इस्तेमाल करना आसान रहता है.

खरीदारों के लिए इसका क्या मतलब है?

इस सेगमेंट में खरीदारी करने वाले भारतीय ग्राहकों के लिए सेगमेंट में पहली बार मिलने वाला AWD, बिग साइज और नया केबिन सबसे खास बात है. आज से शुरू हुई यह बुकिंग विंडो तो बस पहला स्टेप है, लॉन्च के वक्त ही इसकी सही कीमत और वेरिएंट्स की पूरी जानकारी सामने आएगी.



पूरब टाइम्स





बारिश के मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसे बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। मच्छरों से फैलने वाले इन संक्रमणों से हर साल हजारों लोग बीमार पड़ते हैं। लेकिन विशेषज्ञों की मानें तो इन बीमारियों से होने वाली जटिलता और अस्पताल में भर्ती की नौबत केवल बीमारी की गंभीरता से नहीं, बल्कि लोगों द्वारा की गई कुछ आम गलतियों की वजह से भी होती है।

बुखार को सामान्य समझ लेना

डेंगू या मलेरिया के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य वायरल फ़ैवर जैसे होते हैं ज़ू जैसे हल्का बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द और थकान। इसी वजह से अधिकतर लोग इसे हल्के में लेते हैं और बिना डॉक्टर से सलाह लिए आराम करने या घरेलू उपायों पर निर्भर हो जाते हैं। लेकिन यही

लापरवाही बीमारी को और गंभीर बना देती है। डेंगू में प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से गिर सकती है और मलेरिया में तेज बुखार और कमजोरी जानलेवा बन सकती है।

इसलिए बुखार को केवल "मोसमी" कहकर टालना खतरनाक हो सकता है। यदि बुखार दो दिनों से अधिक रहे, तो तुरंत जांच करवाना जरूरी है।

सेल्फ-मैडिकेशन

आजकल इंटरनेट और फ़र्मेसी की आसानी से उपलब्धता के चलते लोग खुद ही डॉक्टर बनने लगते हैं। पेरासिटामोल, एंटीबायोटिक या दर्द निवारक दवाएं बिना किसी मेडिकल सलाह के लेना एक आम गलती है। खासकर डेंगू के मामलों में कुछ दवाएं जैसे आइबुप्रोफेन या एस्पिरिन प्लेटलेट्स पर बुरा असर डाल सकती हैं और रक्तसाव (bleeding) का खतरा बढ़ा देती हैं। इससे मरीज की स्थिति और बिगड़ जाती है। इसलिए डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवा

लेना सही नहीं है, चाहे लक्षण कितने भी मामूली क्यों न लगे।

खून की जांच में देरी

डेंगू और मलेरिया दोनों ही खून की जांच से आसानी से पहचाने जा सकते हैं, लेकिन फ़िर भी लोग अक्सर जांच करवाने में देरी कर देते हैं। शुरुआती दिनों में जांच न करवाकर वे बुखार को सामान्य मानते रहते हैं और जब हालत बिगड़ती है, तब जाकर अस्पताल पहुंचते हैं। डेंगू में प्लेटलेट्स की निगरानी और मलेरिया में परजीवी की पहचान समय पर होनी बेहद जरूरी है। समय पर डायग्नोसिस न होने से इलाज में देरी होती है, जिससे जटिलताएं बढ़ सकती हैं और बूढ़ तक की जरूरत पड़ सकती है।

पर्याप्त पानी न पीना

डेंगू में शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन



बहुत जल्दी हो सकता है, क्योंकि बुखार और उल्टी जैसी समस्याएं शरीर से तरल निकाल देती हैं। लेकिन मरीज अक्सर कमजोरी के कारण या भूख न लगने की वजह से पर्याप्त पानी और अन्य तरल पदार्थ नहीं लेते। इससे न सिर्फ़ हालत खराब

होती है, बल्कि रिकवरी भी धीमी हो जाती है।

ऐसे में हल्कर, नारियल पानी, नींबू पानी और सादा पानी जैसे विकल्पों का सेवन लगातार करते रहना चाहिए। डॉक्टर भी डेंगू के मरीजों को हाई फ़्लूइड इंटेक की सलाह देते हैं।

घरेलू नुस्खों पर अधिक निर्भरता

पीपते के पत्ते का रस, गिलोय का काढ़ा, तुलसी, अदरक जैसी चीजें जरूर शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकती हैं, लेकिन इन्हें इलाज का विकल्प समझना गलत है। कई लोग ये मान बैठते हैं कि घरेलू उपायों से ही डेंगू या मलेरिया ठीक हो जाएगा, और इस चक्कर में डॉक्टर के पास देर से पहुंचते हैं। घरेलू नुस्खे एक सपोर्ट के तौर पर फ़ायदेमंद हो सकते हैं, लेकिन अगर प्लेटलेट्स तेजी से गिर रहे हों या तेज बुखार उतर ही नहीं रहा हो, तो केवल इन उपायों पर निर्भर रहना जानलेवा हो सकता है। मेडिकल ट्रीटमेंट को कभी नजरअंदाज न करें।

समय पर पहचान और इलाज है जरूरी

"डेंगू और मलेरिया दोनों ही शुरुआती लक्षणों में सामान्य बुखार जैसे लगते हैं। लेकिन अगर बुखार लगातार दो दिन से ज्यादा बना रहे, शरीर में दर्द हो, प्लेटलेट्स गिरें या कमजोरी महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। खुद से दवा न लें, और पानी की मात्रा बढ़ा दें।"

डेंगू और मलेरिया से बचाव के उपाय

घर और आसपास पानी जमा न होने दें मच्छरदानी और रिपेलेंट का प्रयोग करें पूरी बांह के कपड़े पहनें शाम के समय घर के दरवाजे-खिड़कियां बंद रखें नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराएं डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से डरने की नहीं, सतर्क रहने की जरूरत है। समय पर जांच, सही इलाज और सतर्कता से न केवल बीमारी से बचा जा सकता है, बल्कि अस्पताल जाने की नौबत भी नहीं आती। इसलिए बुखार को हल्के में न लें और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें

जायका

टेस्टी, सात्विक और हेल्दी भी क्रिस्पी रोटी सैंडविच, जानें आसान रेसिपी

अगर आप कुछ स्वादिष्ट, हेल्दी और क्रिस्पी स्नैक की तलाश में हैं, तो यह क्रिस्पी रोटी सैंडविच आपके लिए परफेक्ट है। इसमें उबली हुई राजमा और लो फैट पनीर की टिकी के साथ ताज़ा टमाटर, माइक्रोग्रीन और मोज़रेला चीज़ का कॉम्बिनेशन इसे बनाता है स्वाद में लाजवाब और खाने में हल्का। यह न सिर्फ़ टेस्टी, बल्कि सात्विक और हेल्दी भी है।

सामग्री
उबली हुई लाल राजमा –400 ग्राम

लो फैट पनीर – 120 ग्राम लहसुन – 1 छोटा चम्मच अदरक – 1 छोटा चम्मच हरी मिर्च – 1 छोटा चम्मच प्याज – 50 ग्राम नमक –1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर – 1 छोटा चम्मच

जीरा पाउडर – 1 छोटा चम्मच चाट मसाला – 1 छोटा चम्मच हरा धनिया – 2 बड़े चम्मच तेल – 1 बड़ा चम्मच रोटी – 5 हरी चटनी – 50 ग्राम टमाटर के स्लाइस – 70 ग्राम माइक्रोग्रीन – 2 बड़े चम्मच



मोज़रेला चीज़ – 40 ग्राम

पैन ग्रीस करने के लिए तेल

विधि

- एक बर्तन में 400 ग्राम उबले हुए राजमा डालें और मेश करें।
- इसमें 120 ग्राम लो फैट पनीर, 1 चम्मच लहसुन, 1 चम्मच अदरक, 1 चम्मच हरी मिर्च, 50 ग्राम प्याज, 1/4 चम्मच नमक, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच जीरा पाउडर, 1 चम्मच चाट मसाला और 2 बड़े चम्मच हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाएं।
- मिश्रण का एक हिस्सा लेकर

टिकी (पैटी) का आकार दें।

4. मध्यम आंच पर ग्रीस की हुई पैन गरम करें। टिकी को पैन में रखें और 3–4 मिनट पकाएं। फ़िर पलटें और दोनों तरफ़ सुनहरा और क्रिस्पी होने तक पकाएं। पकाने के बाद इसे कागज पर निकालें।

5. एक रोटी लें और उस पर हरी चटनी समान रूप से फैलाएं। बीच में टिकी रखें। ऊपर टमाटर स्लाइस, माइक्रोग्रीन और मोज़रेला चीज़ डालें।

- रोटी को धीरे-धीरे मोड़कर सैंडविच का आकार दें।
- ग्रीस की हुई पैन में सैंडविच रखें और हर तरफ़ 2-3 मिनट या सुनहरा और क्रिस्पी होने तक पकाएं।
- पैन से निकालकर काटकर सर्व करें।
- गरमा-गरम क्रिस्पी रोटी सैंडविच का आनंद लें।

नोट: ऐसे ही नई-नई और टेस्टी रेसिपी के लिए हमारे Yum Recipes APP को डाउनलोड करें।

बार- बार Face Clean up करवाने के क्या हैं फायदे और नुकसान

आजकल फेस वलीन-अप (Face Clean-Up) स्किन केयर रूटीन का अहम हिस्सा बन गया है। कई लोग इसे हर महीने करवाते हैं ताकि चेहरा साफ़और रग्लैंग बना रहे। लेकिन बहुत से लोगों के मन में यह सवाल होता है कि क्या सचमुच मासिक फेस वलीन-अप सुरक्षित हैं नहीं? चलिए जानते हैं इस सवाल का जवाब।

फेस वलीन-अप क्या है?

फेस वलीन-अप एक स्किन ट्रीटमेंट है जिसमें चेहरे की गहराई तक सफ़ाई की जाती है। इसमें वलीजिंग, स्क्रबिंग, स्टीम, ब्लैकहेड/व्हाइटहेड रिमूवल और फेस पैक लगाया जाता है। यह फेशियल से हल्का और कम समय लेने वाला होता है।

मासिक फेस वलीन-अप के फ़ायदे

गहराई से सफ़ाई: इससे धूल, मिट्टी, पसीना और ऑयल के कारण जमी गंदगी हटती है।

एक्ने और ब्लैकहेड्स में राहत: इससे पोर्स साफ़हो जाते हैं जिससे पिंपल्स कम होते हैं।



रग्लैंग स्किन: डेड स्किन सेल्स हटने से चेहरा चमकने लगता है।

खून का संचार बेहतर: मसाज से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और स्किन हेल्दी दिखती है।

कम खर्चाला: यह फेशियल से सस्ता और जल्दी हो जाने वाला प्रोसेस है।

किन बातों का ध्यान रखें?

संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को हर महीने वलीन-अप करने से जलन, लालिमा या एलर्जी हो सकती है। बार-बार स्क्रबिंग या स्टीम लेने से ड्रायनेस और इरिटेशन हो सकती है। अगर किसी को एक्विट एक्ने, रैशेज या स्किन डिजीज है तो पहले डॉक्टर या डर्मैटोलॉजिस्ट से सलाह लें। वलीन-अप हमेशा साफ़-सुथरे और प्रोफेशनल सैलून/क्लिनिक में ही करवाएं।

किसे कितनी बार करवाना चाहिए?

ऑयली या नॉर्मल स्किन वालों के लिए महीने में एक बार वलीन-अप करवाना फ़ायदेमंद है। ड्राय या सेंसिटिव स्किन के लिए 6–8 हफ़्तों में एक बार ही पर्याप्त है। पिंपल्स/एलर्जी प्रोन स्किन वाले डॉक्टर की सलाह पर ही वलीन-अप करवाएं। मासिक फेस वलीन-अप ज्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित है, बशर्ते यह आपकी स्किन टाइप के हिसाब से और सही तरीके से किया जाए।

बारिश में डेंगू-मलेरिया होने पर न करें ये बड़ी गलतियां

आपके बच्चों में ये लक्षणADHD का हो सकते हैं संकेत,पेरेंट्स भूलकर भी न करें इन्होर

क्या आपका बच्चा हमेशा बहुत एक्टिव रहता है या उसे किसी काम पर ध्यान लगाने में दिक्कत होती है? क्या वह अक्सर चीजें भूल जाता है? अगर हां, तो यह ADHD (Attention-Deficit/Hyperactivity Disorder) यानी ध्यान की कमी और अतिसक्रियता विकार का संकेत हो सकता है। यह आमतौर पर बचपन में दिखाई देता है और समय पर पहचानना जरूरी है। ध्यान न लगना और जल्दी भटकना

ADHD वाले बच्चों के लिए किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करना कठिन होता है। वे अक्सर अपनी चीजें इधर-उधर रखकर भूल जाते हैं और बातचीत के दौरान अवाकफ जोन आउट हो जाते हैं। कई बार वे काम अधूरा छोड़ देते हैं, और यह उनकी रोजमर्रा की आदत बन जाती है। यह केवल भूलने की समस्या नहीं है, बल्कि उनके दिन-प्रतिदिन के कामकाज और पढ़ाई पर भी गहरा असर डालती है।

हद से ज्यादा चंचल -ADHD वाले बच्चे अक्सर बहुत चंचल और बेचैन दिखाई देते हैं। वे वलास या किसी शांत माहौल में भी बार-बार हिलते-डुलते रहते हैं, उठते-बैठते हैं और कभी-कभी फलतू गतिविधियों में व्यस्त रहते हैं। कई बार वे ऐसे समय में भी दौड़ते-भागते हैं या इधर-उधर चढ़ते-उतरते हैं

जब उन्हें शांत रहना चाहिए, जैसे काम में या फ़िक्स देखते समय। इस अत्यधिक सक्रियता के कारण बच्चों का ध्यान भटकता है और उनके सामाजिक और शैक्षणिक जीवन पर असर पड़ सकता है।

जल्दी प्रतिक्रिया देना -ADHD वाले बच्चे अक्सर बिना सोचे-समझे तुरंत प्रतिक्रिया दे देते हैं। वे दूसरों की बात बीच में काटते हैं, अपनी बारी का इंतजार नहीं कर पाते और तुरंत किसी काम को कर डालते हैं। ऐसी आदतें न केवल उनके सामाजिक रिश्तों पर असर डालती हैं, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी



मुश्किलें पैदा कर सकती हैं। इसके कारण बच्चे कभी-कभी परेशानियों में पड़ सकते हैं और उनके आस-पास के लोगों के लिए भी तनाव का कारण बन सकते हैं।

भावनात्मक असंतुलन -ADHD वाले बच्चों को अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना मुश्किल होता है। वे छोटी-सी बात पर भी बहुत गुस्सा या उदास हो सकते हैं और अपने गुस्से या रौने को संभालने में असमर्थ रहते हैं। कई बार उनकी प्रतिक्रिया स्थिति से कहीं अधिक बड़ी होती है, जिससे परिवार और दोस्तों के साथ उनके रिश्तों पर असर पड़ता है। इस प्रकार का भावनात्मक असंतुलन बच्चों के

सामाजिक व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है।

पढ़ाई और दोस्ती में चुनौतियां- ADHD वाले बच्चों को पढ़ाई और दोस्तों के साथ घुलने-मिलने में अक्सर मुश्किल होती है। वे समय पर काम पूरा नहीं कर पाते, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई महसूस करते हैं और अपना संगठन व टाइम मैनेजमेंट ठीक से नहीं कर पाते। इस वजह से उनका अकादमिक प्रदर्शन कमजोर रह सकता है और सामाजिक जीवन में भी उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यदि समय पर मदद और मार्गदर्शन न मिले, तो ये बच्चे दोनों क्षेत्रों में पीछे रह सकते हैं।

समय पर पहचान और मदद क्यों जरूरी है?

ADHD कोई सामान्य व्यवहारिक समस्या नहीं है, बल्कि यह मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक स्थिति है। इसे समय रहते पहचानना और सही सहायता देना बहुत जरूरी है, ताकि बच्चे पढ़ाई और जीवन दोनों में सफ़ल हो सकें। विशेषज्ञों की सलाह और मार्गदर्शन से बच्चे अपने ध्यान और व्यवहार को सुधार सकते हैं। माता-पिता का समर्थन और सही शिक्षा पद्धति भी उनकी प्रगति में मदद करती है।

पितृ पक्ष में लगाएं ये पांच पौधे, घर में आएंगी खुशियां

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष एक बेहद पवित्र समय होता है। यह 15 दिन पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए समर्पित होते हैं। पितृ पक्ष 7 सितंबर(आज) से शुरू होकर 21 सितंबर तक रहेगा। इस दौरान लोग श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करके अपने पूर्वजों को स्मरण करते हैं। लेकिन एक खास परंपरा ऐसी भी है जो पितृ पक्ष को और अधिक फलदायी बनाती है। वह है पवित्र पौधों का रोपण।

पितृ पक्ष में पौधरोपण का महत्व

पौधे केवल वातावरण को शुद्ध नहीं करते, बल्कि धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी बेहद पवित्र माने जाते हैं। पितृ पक्ष के दौरान जब हम विशेष पौधों का रोपण करते हैं, तो यह न सिर्फ़ प्रकृति की सेवा है बल्कि अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और आभार प्रकट करने का एक सुंदर माध्यम भी है। माना जाता है कि इससे घर-परिवार में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए शांति और समृद्धि सुनिश्चित होती है। इसी कारण इस पावन समय में कुछ खास पौधों का लगाना बेहद शुभ माना गया है।

तुलसी का पौधा–हिंदू धर्म में तुलसी को मां का दर्जा दिया गया है और यह सबसे पवित्र पौधों में गिनी जाती है। माना जाता है कि पितरों को अर्पित किया जाने वाला तर्पण तुलसी के बिना अधूरा



रहता है। पितृ पक्ष में तुलसी का पौधा लगाने से पितरों को मोक्ष और आत्मिक शांति मिलती है। साथ ही, तुलसी वातावरण को शुद्ध करती है, घर में सकारात्मक ऊर्जा फैलाती है और नकारात्मक प्रभावों को दूर करती है। यही कारण है कि तुलसी को पितृ दोष से मुक्ति दिलाने वाला सबसे प्रमुख पौधा माना गया है।

पीपल का पेड़–हिंदू धर्म में पीपल को अत्यंत पवित्र माना गया है और इसे भगवान विष्णु, भगवान शिव और पितरों का निवास स्थान कहा गया है। पितृ पक्ष के दौरान पीपल के पेड़ की पूजा और रोपण करना बेहद शुभ माना जाता है, क्योंकि माना जाता है कि पितर पक्षियों के रूप में पीपल के आसपास आते हैं। इस पेड़ को लगाने से पितर प्रसन्न होते हैं और घर-परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहता है। पीपल वंश की निरंतरता,

अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

केले का पौधा–केला भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को समर्पित एक पवित्र पौधा है। पितृ पक्ष के दौरान ब्राह्मणों को केले से बने व्यंजन अर्पित करना अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। इसी प्रकार, इस समय केले का पौधा लगाना भी शुभ है, क्योंकि इससे घर में धन, स्थिरता और उन्नति आती है। केले का पौधा परिवार में पोषण, दानशीलता और धार्मिक पुण्य का प्रतीक भी माना जाता है।

बेल पेड़–बेल पेड़ भगवान शिव को अत्यंत प्रिय माना जाता है और इसके पत्ते पूजा-अर्चना में चढ़ाए जाते हैं। पितृ पक्ष में बेल वृक्ष लगाना शुभ माना जाता है, क्योंकि इससे पाप और नकारात्मक कर्मों का नाश होता है। इसे लगाने और इसकी देखभाल करने वालों को आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक शांति और पितरों व देवताओं दोनों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

नीम पेड़–नीम का पेड़ अपने औषधीय और आध्यात्मिक महत्व के कारण पवित्र माना जाता है। पितृ पक्ष में नीम का पौधा लगाने से रोग और बुरी शक्तियां दूर रहती हैं। इसके साथ ही, इस वृक्ष की देखभाल करने वाले परिवार को पितरों की कृपा से अच्छे स्वास्थ्य, सुख-शांति और समृद्धि प्राप्त होती है।

पितृ पक्ष केवल श्राद्ध और तर्पण का ही समय नहीं है, बल्कि यह पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और प्रकृति को समर्पण का भी अवसर है। तुलसी,

चंडीगढ़ से कुछ दूरी पर बहुत खूबसूरत कई पहाड़ी क्षेत्र हैं। जहां पर वीकेंड में लोग बिना किसी ट्रिप प्लान के घूमने निकल पड़ते हैं। क्योंकि 2 दिन की छुट्टियों में घूमने के लिए लिहाज से यह जगह बेस्ट है। चंडीगढ़ में रहने वाले लोगों के लिए अच्छी बात यह है कि थोड़ी ही दूरी पर टंडी हवाएं, हरे-भरे पहाड़ और शांत वातावरण में समय बिताने का मौका मिल जाता है।

ऐसे में अगर आप भी अपने दोस्तों, पार्टनर या फ़िर परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान बना रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चंडीगढ़ से 80 किमी की दूरी पर स्थित कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

नाहन-नाहन में आपको पहाड़ों पर बने पुराने किलों को घूमने के साथ ऐतिहासिक मंदिरों में भी दर्शन करने का मौका मिलेगा। नाहन में एक ऐसी झील है, जिसको हिमाचल की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील में से एक मानी जाती है। रेनुका वाइल्डलाइफ़ सैंक़्टुरी में आप नीलगाय, हिरण और अन्य जानवर देखने को मौका मिलेगा। इसके अलावा आप यहां पर ट्रैकिंग भी कर सकते हैं। चंडीगढ़ से नाहन की दूरी करीब 85



किमी है। आपको गाड़ी से नाहन तक पहुंचने में करीब 2.30 घंटे का समय लग जाएगा। यहां पर आप जैतक किला, रानी ताल, जगन्नाथ मंदिर, रेणुका अभयारण्य, रेणुका झील, सुकेती जीवाश्म पार्क, त्रिलोकीनाथ गुफ मंदिर, पवित्र

तीर्थस्थल और गिरि नगर जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। अर्की-अर्की हिमाचल प्रदेश में है और यहां के आसपास कई पुरानी गुफएं और मंदिर हैं। ऐसे में जो लोग 2 दिन की छटी



ट्रिप प्लान कर रहे हैं, उनके लिए अर्की का सफ़र यादगार हो सकता है। वहीं जो लोग कम भीड़भाड़ से बचने के लिए ऑफ़बीट और शांत हिल स्टेशन तलाश कर रहे हैं।

तो उन लोगों के लिए अर्की एक बेहतरीन जगह साबित हो सकती है। चंडीगढ़ से अर्की की दूरी करीब 85 किमी है। चंडीगढ़ से अर्की तक गाड़ी से जाने के लिए करीब 3 घंटे का समय लग जाएगा। क्योंकि रास्ते में आपको ट्रैफ़िक ज्वाब मिल सकता है। अर्की में आप बाड़ी धार अर्की का किला, शालाघाट और लुटरू महादेव मंदिर जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

सोलन-सोलन हिमाचल प्रदेश की एक बेहद खूबसूरत पहाड़ी जगह है। सोलन को लोग शिमला की तरह खूबसूरत मानते हैं। लेकिन सोलन में शिमला की तुलना में कम भीड़भाड़ और शांत माहौल, वीकेंड गेटअवे के के लिए परफेक्ट है। यहां चारों ओर आपको चीड़ और देवदार के जंगलों के अलावा सुहावना मौसम और टंडी हवाएं चलती हैं।

सोलन खूबसूरत हिल स्टेशन वाली जगहों में से एक है। चंडीगढ़ से सोलन की दूरी करीब 68 किमी दूर है। यहां पर गाड़ी से पहुंचने में आपको 2 घंटे का समय लग जाएगा। यहां पर आप शुतिनी देवी मंदिर, जटोली शिव मंदिर, डक शाही जेल म्यूजियम, मोहन पार्क और माजाथल वन्यजीव अभ्यारण्य जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

सोशल मीडिया पर फर्जी और आपतिजनक डीपफेक वीडियो वायरल होने के बाद एक्ट्रेस ने अपनाथा सरल रखा



‘अर्जुन रेड्डी’ और ‘जयेशभाई जोरदार’ फेम एक्ट्रेस शालिनी पांडे इंटरनेट पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के गलत इस्तेमाल का नया शिकार बनी हैं। सोशल मीडिया पर अपना एक फर्जी और आपत्तिजनक डीपफेक वीडियो वायरल होने के बाद शालिनी ने सरल रुख अपनाया है। एक्ट्रेस ने बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि यह वीडियो पूरी तरह से नकली है और इसका उनसे कोई लेना-देना नहीं है।

नकली AI वीडियो पर शालिनी पांडे ने तोड़ी चुप्पी-शालिनी ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर इस वीडियो के बारे में बात की और स्थिति स्पष्ट की। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के गलत इस्तेमाल पर बात करते हुए उन्होंने कहा, "मैं अपने एक नकली AI-जनरेटेड वीडियो के बारे में बात करना चाहती हूं जो आजकल ऑनलाइन फैल रहा है। यह वीडियो पूरी तरह से नकली है और इसमें मैं नहीं हूं। यह देखना बहुत परेशान करने वाला है कि टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल इस तरह से लोगों, खासकर महिलाओं को निशाना बनाने और उन्हें नुकसान पहुंचाने के लिए एक्ट्रेस ने ऐसे कंटेंट के फैलने की कड़ी निंदा भी की। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर उन्हें यह वीडियो दिखे तो वे इसे और लोगों तक पहुंचाने में मदद करने के बजाय इसे रिपोर्ट करें।

उन्होंने आगे कहा, "मैं इस तरह के गलत इस्तेमाल की कड़ी निंदा करती हूं और मानती हूं कि टेक्नोलॉजी के इस तरह के गलत इस्तेमाल को कभी भी सामान्य नहीं माना जाना चाहिए। अगर आपको यह वीडियो दिखे, तो कृपया इसे शेयर, फॉरवर्ड, डाउनलोड या इस पर कोई प्रतिक्रिया न दें। इसके बजाय, कृपया इसे तुरंत रिपोर्ट करें। मैं सभी से जिम्मेदार और जागरूक रहने का अनुरोध करती हूं, और इसे और फैलाने के बजाय इसे रोकने में मदद करने को कहती हूं, धन्यवाद!"

उनके फॉलोअर्स ने लिखा, "मुझे भी पहले लगा कि यह असली है, फिर देखा कि किसने किया है" यह इस बात का नया उदाहरण है कि टेक्नोलॉजी जितनी अच्छी है, उतनी ही बुरी भी हो सकती है"

‘अंबर धारा’ से घर-घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस कश्मीरा ईरानी के घर जल्द ही आने वाला है नन्हा मेहमान

टीवी सीरियल ‘अंबर धारा’ से घर-घर में पहचान बनाने वाली मशहूर एक्ट्रेस कश्मीरा ईरानी के घर जल्द ही नन्हा मेहमान आने वाला है। 40 साल की एक्ट्रेस अपने पति और एक्टर अक्षत सक्सेना (फिल्म ‘ऑपरेशन सफेद सागर’ फेम) के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। कश्मीरा ने सोशल मीडिया पर बेहद ख़ास और प्यारे अंदाज़ में अपनी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया, जिसके बाद से ही मनोरंजन जगत और उनके फैंस लगातार उन्हें बधाइयां दे रहे हैं।

कश्मीरा ईरानी ने प्रेग्नेंसी की घोषणा की

कश्मीरा ने इंस्टाग्राम पर अपनी छुट्टियों की एक प्यारी सी फोटो शेयर की। इसमें दो नारियल थे, जिन पर "मॉम" और "डैड" लिखी कैप्स पहनी हुई थीं। कैप्शन में उन्होंने लिखा, "करंट स्टेटस #ComingSoon!"

सेलेब्स ने कश्मीरा और अक्षत को बधाई दी

कई सेलेब्स ने कमेंट सेक्शन में कश्मीरा ईरानी को उनकी प्रेग्नेंसी की घोषणा पर बधाई दी। गोहर खान ने लिखा, "बहुत-बहुत बधाई। भगवान आपको सुरक्षित और खुश रखे।" अंजलि

नंदकिशन ने कमेंट किया, "अरे वाह, आप दोनों को बधाई", जबकि मियांग चांग ने लिखा, "अरे वाह! आप दोनों को बधाई!"

सैम खान ने भी कई हार्ट इमोजी के साथ कपल को बधाई दी, जबकि रिधिमा पंडित और वृष्टि धामी ने हार्ट इमोजी के साथ रिएक्शन दिया। इट्सहरलीनसेटी ने लिखा, "वोहो", और जानकी ने कमेंट किया, "हॉं!"। निश्चय गोगिया ने उनके कमेंट का जवाब देते हुए लिखा, "नहीं... कश..."।

कश्मीरा और अक्षत की शादी 10 फ़रवरी, 2024 को हुई थी। इस साल अपनी दूसरी एनिवर्सरी पर, अक्षत ने अपनी पत्नी को एक प्यारे नोट और अपनी शादी के वीडियो के साथ बधाई दी। नोट में लिखा था : "हर दिन लगातार 2 साल का जादू! कश्मीरा, तुम सच में मेरी सबसे अच्छी दोस्त हो! हम प्यार करते हैं, लड़ते हैं, हंसते हैं और रोते हैं। हमने एक-दूसरे के ऐसे पहलू देखे हैं जो कोई और कभी नहीं देख सकता।



मेट गाला 2027 थीम पर विवाद प्रसिद्ध फैशन डिजाइन जॉन गैलियानो प्रदर्शनी से बाहर

मेटा गाला 2027 को लेकर शुरू हुआ विवाद अब बड़ा मोड़ ले चुका है। प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर जॉन गैलियानो की प्रस्तावित प्रदर्शनी "John GallianoN Horizons" को पुराने नस्लवादी और यहूदी विरोधी टिप्पणियों के विवाद के बाद रद्द कर दिया गया है। गैलियानो और Metropolitan Museum of Art (The Met) ने संयुक्त रूप से प्रदर्शनी को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया।

क्या थी मेटा गाला 2027 की थीम?

मेटा गाला 2027 के लिए जॉन गैलियानो के चार दशक लंबे फैशन करियर को समर्पित प्रदर्शनी की योजना बनाई गई थी। इसमें उनके Dior, Givenchy और Maison Margiela के दौर के चर्चित डिजाइनों को दिखाने की तैयारी थी। यह प्रदर्शनी गैलियानो को उन चुनिंदा जीवित डिजाइनरों में शामिल करती, जिन्हें Met के Costume Institute में व्यक्तिगत प्रदर्शनी का सम्मान मिलता।

क्यों हुआ विरोध?

जॉन गैलियानो का नाम 2011 में एक विवाद से जुड़ा था, जब पेरिस के एक बार में उनके कथित यहूदी विरोधी और नस्लवादी टिप्पणियों का वीडियो सामने आया था। इसके बाद

उन्हें Dior के क्रिएटिव डायरेक्टर पद से हटा दिया गया था और फ़्रांस की अदालत ने उन्हें सार्वजनिक अपमान के मामले में दोषी ठहराया था। प्रदर्शनी की घोषणा के बाद कई समुदायों और नेताओं ने सवाल उठाए कि ऐसे विवादित अतीत वाले व्यक्ति को इतना बड़ा सम्मान देना उचित है या नहीं।

गैलियानो ने बताया पछतावा गैलियानो ने अपने बयान में कहा कि वह अपने पुराने शब्दों से हुई पीड़ा की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं और विशेष रूप से यहूदी और एंशियाई समुदायों को हुई चोट के लिए दुखी हैं।

उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनके कारण Met या Costume Institute का काम विवादों में आए। अब मेटा गाला 2027 का क्या होगा? The Met ने कहा है कि नई स्प्रिंग 2027 Costume Institute प्रदर्शनी और मेटा गाला की जानकारी बाद में जारी की जाएगी। फ़िल्महाल जॉन गैलियानो से जुड़ी थीम को हटा दिया गया है। यह मामला फैशन जगत में इस बहस को फिर सामने लाता है कि किसी कलाकार की रचनात्मक उपलब्धियों और उसके विवादित अतीत के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।



लियोनेल मेस्सी ने 21 साल के ऐतिहासिक करियर के बाद 39 वर्ष की उम्र में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास, 2022 में जीता था फ़ीफ़ विश्व कप खिताब

सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक लियोनेल मेस्सी ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की और इस तरह से यह स्टार स्ट्राइकर अब अर्जेंटीना की तरफ से खेलता हुआ नहीं दिखेगा। मेस्सी ने अर्जेंटीना की तरफ से 21 साल के अपने सफ़र में कई उपलब्धियां हासिल की। उनके आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। एक: मेस्सी ने एक बार 2022 में कतर में विश्व कप जीता है। उनके रहते हुए अर्जेंटीना की टीम दो बार 2014 और 2026 में फ़इनल में पहुंची थी, जहां उसे क्रमशः जर्मनी और स्पेन से हार का सामना करना पड़ा था।

छह : मेस्सी ने छह विश्व कप (2006, 2010, 2014, 2018, 2022 और 2026) में हिस्सा लिया, जो उनके लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी क्रिस्तियानो रोनाल्डो के बराबर है। 21: मेस्सी ने छह विश्व कप में कुल 21 गोल किए। वह फ़्रांस के किलियन एम्बाप्पे के बाद दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने तीन विश्व कप में 22 गोल किए हैं। 39: मेस्सी ने 39 वर्ष की उम्र में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने अगस्त 2005 में हंगरी के खिलाफ एक मैत्री मैच में अर्जेंटीना के लिए पदार्पण करने के 21 साल बाद संन्यास लिया। उस मैच में वह मुश्किल से एक मिनट खेल पाए थे।

उन्हें एक प्रतिद्वंद्वी को कोहनी मारने के लिए मैदान से बाहर भेज दिया गया था। 125: मेस्सी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 125 गोल किए हैं, जो अर्जेंटीना के किसी भी अन्य खिलाड़ी द्वारा किए गए गोल की संख्या से दोगुने से भी अधिक है। पिछला रिकॉर्ड गैब्रियल बतिस्तुता के नाम था,



जिन्होंने 1991 से 2002 तक 78 मैचों में 54 गोल किए थे। पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड क्रिस्तियानो रोनाल्डो (146 गोल) के नाम पर दर्ज है। मेस्सी का नंबर उनके बाद आता है। 207: मेस्सी ने 207 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले लेकिन यह रिकॉर्ड नहीं है। इस सूची में भी वह पुर्तगाल के लिए 233 मैच खेलने वाले क्रिस्तियानो रोनाल्डो के बाद दूसरे नंबर पर हैं।

भारतीय रेलवे में Sports Quota के तहत 64 पदों पर भर्ती 01 सितंबर से 30 सितंबर तक, आवेदन ऑनलाइन करें

नौकरी की तैयार कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, पश्चिमी रेलवे ने खिलाड़ियों के लिए भर्ती का मौका दिया है। रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ ने कुल 64 पदों पर आवेदन मांगे हैं। ऐसे में योग्य और इच्छुक उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट [इह्र-2](#)ह्र.ष्द पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। यह भर्ती प्रक्रिया 01 सितंबर 2026 से शुरू हो चुकी है। ऐसे में इच्छुक उम्मीदवार 30 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। वहीं इन पदों पर आवेदन सिर्फ ऑनलाइन ही लिए जाएंगे।



तो आइए जानते हैं इस भर्ती से संबंधित क़ालिफ़ि केशन, पद और योग्यता आदि के बारे में...

क़ालिफ़िकेशन-बता दें कि लेवल 5/4 पदों के लिए कैंडिडेट्स का किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन होना अनिवार्य है। वहीं लेवल 3/2 के लिए कैंडिडेट्स के 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा पास होना ज़रूरी है। इसके अलावा 10वीं पास के साथ एवट ऑप्रेटिंशपिप या NCVT/SCVT से मान्यता प्राप्त ITI प्रमाणपत्र वाले कैंडिडेट्स भी इस भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं।

पद और पात्रता

एथलेटिक्स-नेशनल और इंटरनेशनल प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को भर्ती में प्राथमिक वरीयता मिलेगी।

बॉल बैटमिंटन-बीबीएफ़आई से मान्यता प्राप्त

प्रतियोगिताओं में हासिल उपलब्धियां 17 दिसंबर 2025 के बाद मान्य होंगे।

बॉडी बिल्डिंग-आईबीबीएफ से संबद्ध प्रतियोगिताओं के प्रमाण पत्र 31 दिसंबर 2021 के बाद का मान्य नहीं होगा।

बॉक्सिंग-25 सितंबर 2016 या उसके बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में युवा वर्ग की उपलब्धियों को जूनियर वर्ग के बराबर माना जाएगा।

क्रिकेट-राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख प्रतियोगिताओं में भाग लेने या क़ार्टर फ़इनल तक पहुंचने वाले खिलाड़ी उम्मीदवार इस पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

हैंडबॉल-इन पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवार ध्यान दें कि 05 सितंबर 2023 के बाद भारतीय हैंडबॉल संघ द्वारा आयोजित

प्रतियोगिताओं की उपलब्धियां मान्य नहीं की जाएंगी।

हॉकी-इस पद पर आवेदन करने वाले राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय लेवल की प्रतियोगियाओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी मौका दिया जाएगा।

वॉलीबॉल-इस पद पर आवेदन के इच्छुक कैंडिडेट्स ध्यान दें कि भारतीय वॉलीबॉल महासंघ की प्रतियोगिताओं के प्रमाण पत्र 02 जनवरी 2017 के बाद मान्य नहीं होंगे।

पावरलिफ़्टिंग-वहीं आईपीएफ से संबद्ध प्रतियोगिताओं की उपलब्धियां 03 अक्तूबर 2017 के बाद मान्य नहीं मानी जाएंगी।

भारोत्तोलन-नई बॉडीवेट श्रेणियों के अनुसार लागू पात्रता 01 जून 2025 से तय होगी।

कुश्ती-डब्ल्यूएफ़आई या उससे संबद्ध संस्थाओं द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं के प्रमाण पत्र 10 मार्च 2025 के बाद के मान्य होंगे।

आयु सीमा-NTPC स्पोर्ट्स कोटा भर्ती के लिए 01 जनवरी 2027 को कैंडिडेट्स की उम्र कम से कम 18 साल और अधिकतम आयु 25 साल होनी चाहिए। वहीं कैंडिडेट्स का जन्म 01 जनवरी 2002 से 01 जनवरी 2009 के बीच होना चाहिए।

आवेदन फ़ीस-सामान्य और अन्य कैंडिडेट्स के लिए आवेदन फ़ीस 500 रुपए है। वहीं पात्र पाए जाने और एग्जाम में शामिल होने वाले कैंडिडेट्स को बैंक शुल्क काटकर 400 वापस किए जाएंगे।

राधा और कृष्ण को पद्म पुराण में ‘युगल सरकार’ की संज्ञा आखिर सुदामा के श्राप से क्यों धरा पर अवतरित हुई बरसाना की महारानी

राधा रानी को प्रेम की देवी कहा जाता है। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन की धारा, राधा जी हैं। माना जाता है कि गोलोक में एक बार श्रीकृष्ण रास करने की इच्छा में लीन थे। तब भगवान श्रीकृष्ण के बाएं भाग से दिव्य स्वरूपा श्रीराधा प्रकट हुई थीं। भगवान श्रीकृष्ण ने धरा पर अधर्म का नाश करने के लिए पृथ्वी पर अवतार लिया था। लेकिन माना जाता है कि बिना श्रीराधा के वासुदेव कृष्ण के ध्येय को दिशा नहीं मिल सकती थी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि श्रीराधा रानी एक श्राप

की वजह सेश्रीकृष्ण से पहले धरती पर जन्मी थीं।

पतिव्रता नारी थीं श्रीराधा

राधा रानी के बिना श्रीकृष्ण को आराधना अधूरी मानी जाती है। भले ही राधा और कृष्ण ने संग में अधिक समय नहीं बिताया हो। लेकिन दोनों एक-दूसरे के दिल में हमेशा बसे रहे। राधा रानी एक पतिव्रता नारी थीं वह अपने पति आनन के प्रति पूरी तरह समर्पित रहीं। हालांकि

श्रीकृष्ण के प्रति राधा रानी का प्रेम सात्विक और निश्चल था।

बरसाना की महारानी

बरसाना राधा रानी की जन्मभूमि रही है। स्कंद पुराण के मुताबिक राधा और कृष्ण की आत्मा एक है। इसी कारण उनको ‘राधारमण’ कहकर पुकारते हैं। पद्म पुराण में ‘परमानंद’ रस को श्रीराधा-कृष्ण का युगल स्वरूप माना गया है। राधा-कृष्ण की पूजा किए बगैर जीव परमानंद को प्राप्त नहीं कर



सकता है। भविष्य पुराण और गर्ग संहिता के मुताबिक द्वापर युग में श्रीकृष्ण पृथ्वी पर अवतरित हुए थे।

वहीं महाराज वृषभानु की पत्नी कीर्ति के यहां भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन भगवती राधा अवतरित

हुई। जिसके बाद भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि राधाष्टमी नाम से प्रसिद्ध हुई। राधा और कृष्ण को पद्म पुराण में ‘युगल सरकार’ की संज्ञा दी गई है। शिव पुराण में भगवान श्रीकृष्ण के परम मित्र से भिन्न सुदामा गोप द्वारा राधा रानी को श्राप दिए जाने का उल्लेख मिलता है।

क्या था वो श्राप

धार्मिक शास्त्रों के मुताबिक गोलोक में निवास करने वाली श्रीराधा को एक श्राप की वजह से पृथ्वी पर आकर श्रीकृष्ण से वियोग सहना पड़ा। श्रीकृष्ण की विरजा नाम की सखी का राधा ने अपमान किया था। अपमान से दुखी होकर विरजा नदी बनकर बहने लगी। तब सुदामा ने क्रोध में आकर श्रीराधा को कड़वे शब्द कहे। जिस पर श्रीराधा ने सुदामा को दानव बनने का श्राप दिया। इसके बाद सुदामा ने भी श्रीराधा को मानव जीवन में जन्म लेने का श्राप दिया।

सार – संक्षेप

पीएम मोदी की फोटो
क्रॉप कर फंसा पाक



पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ डैमेज-कंट्रोल मोड में नजर आए। ऐसा तब हुआ जब उनके ऑफ़िस ने शंघाई सहयोग संगठन समिट की ‘फ़ैमिली फ़ोटो’ का एक एडिट किया हुआ वर्शन शेयर किया, जिसमें कई विश्व नेताओं को क्रॉप करके हटा दिया गया था, जबकि शरीफ़ को परेम के बीच में प्रमुखता से दिखाया गया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सबसे पहले सुबह 11:42 बजे समिट की एडिट की गई फ़ोटो शेयर की थी। पूरी तस्वीर में बिस्फेक में 26वें SCO समिट के एक सेशन से पहले SCO सदस्य देशों के प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारी एक साथ खड़े दिखाई दे रहे थे।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री
इमरान ख़ान और उनकी पत्नी
बुशरा बीबी को राहत

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के लिए राहत की बात है कि इस्लामाबाद हाई कोर्ट (IHC) ने मंगलवार को जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि उनमें से किसी को भी अकेले कैद (solitary confinement) में न रखा जाए। ‘डॉन’ की एक रिपोर्ट के अनुसार, IHC के जस्टिस ख़ादिम हुसैन सुमरो ने फ़ैसला सुनाया और उनकी कथित एकजुटता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुनवाई के योग्य घोषित किया।

कोर्ट में क्या हुआ

इससे पहले, जस्टिस सुमरो ने 6 अगस्त को खान की बहन अलीमा खानम और बीबी की बेटी मुबशरा खावर मानेका की अलग-अलग याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

SCO समिट में मोदी-शी जिनपिंग की मुलाकात, हाथ मिलाकर हुई बातचीत

बिश्केक/नई दिल्ली । 26वें शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई। दोनों नेताओं ने हाथ मिलाकर अभिवादन किया और कार्यक्रम स्थल की ओर साथ चलते हुए बातचीत की। इससे दोनों देशों के संबंधों को लेकर कूटनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। समिट के दौरान मोदी और शी ने पहले अन्य देशों के नेताओं के साथ ग्रुप फोटो खिंचवाई। इसके बाद दोनों एक-दूसरे से बातचीत करते नजर आए। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी की पिछली मुलाकात अगस्त 2025 में चीन के तियानजिन में आयोजित SCO शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले बिश्केक में सम्मेलन स्थल पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। SCO में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस समेत

नेपाल में अचानक आई भीषण बाढ़ के बाद आठ जिलों से मिले शवों के साथ मृतकों का आंकड़ा 1,003 तक पहुंच गया है। अधिकारियों के मुताबिक करीब 4,000 लोग अभी भी लापता हैं, जिनमें 583 विदेशी नागरिक शामिल हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए 21,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। काठमांडू, एक सितंबर नेपाल में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के बाद सुरक्षाबलों ने आठ जिलों से ओर शव बरामद किए हैं जिससे इस आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर मंगलवार को 1,003 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बचावकर्मियों को रुक-रुककर हो रही बारिश और कई जिलों में नदियों का जलस्तर बढ़ने के बीच फंसे लोगों का पता लगाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, बाढ़ की नयी चेतावनी भी जारी की गई है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के अनुसार, करीब 4,000 लोग अब भी लापता हैं, जिनमें 583 विदेशी नागरिक और कई सुरक्षाकर्मी शामिल हैं जबकि करीब 12,000 लोगों को बचा लिया गया है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास 26 अगस्त को बर्फ़और चट्टानों के खिसकने या हिमस्खलन के कारण अचानक आई बाढ़ ने उत्तरी



और मध्य नेपाल के कस्बों तथा गांवों में भारी तबाही मचाई। हिमालयी सीमा क्षेत्र से दक्षिण की ओर बहने वाली भोटेकोशी नदी बाढ़ का पानी अपने साथ निचले इलाके की ओर ले गई, जिससे घर, वाहन, सड़कें और पुल बह गए तथा जलविद्युत परियोजनाओं को भी नुकसान पहुंचा। चीनी मीडिया में आई खबरों के अनुसार, इस आपदा में चीन की ओर भी 16 लोगों की

मौत हुई है, जबकि तिब्बत में करीब 550 लोग अब भी लापता हैं। एनडीआरएमए के अनुसार, चितवन जिले में सबसे अधिक 321 शव बरामद किए गए।

इसके बाद नवलपरासी ईस्ट में 216, नवलपरासी वेस्ट में 170, नुवाकोट में 95, गोरखा में 65, धादिंग में 57, रसुवा में 41 और तनहुन में 38 शव बरामद किए गए। नेपाल में प्राधिकारियों ने मंगलवार को देश के पूर्वी, मध्य और पश्चिमी हिस्सों के कई जिलों में बाढ़ के खतरे को लेकर नया अलर्ट जारी किया और नदियों के आसपास रहने वाले लोगों से सतर्क रहने तथा एहतियाती कदम

उठाने की अपील की। एनडीआरआरएमए की ओर से जारी एक सूचना के अनुसार, नुवाकोट और रसुवा जिलों में अचानक बाढ़

आने की काफी अधिक आशंका है। इन इलाकों में छोटी नदियों और जलधाराओं का जलप्रवाह बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा ताप्लेजुंग, संखुवाभा, सोलुखुम्बु, खोटांग, ओखलढुंगा, रामेछाप, दोलखा, सिंधुपाल्चोक,

काभ्रेपलांचोक, ललितपुर, भक्तपुर, काठमांडू और धादिंग समेत पूर्वी और मध्य नेपाल के कई जिलों में नदियों का जलस्तर बढ़ने का खतरा है। इन इलाकों में अचानक बाढ़ आने का मध्यम स्तर का जोखिम भी बताया गया है।

प्राधिकरण के मुताबिक, पश्चिमी नेपाल में गोरखा, लमजुंग, दोल्पा, रुकुम पूर्व, रुकुम पश्चिम, जाजरकोट, दार्चुला, बैतडी, डडेल्धुरा, डोटी, कैलाली और कंचनपुर जिले के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है। एनडीआरआरएमए ने मंसिर के पूर्वानुमान को देखते हुए नदी किनारे और अन्य संवेदनशील इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और जरूरी एहतियाती उपाय करने की अपील की है। अधिकारियों ने बताया कि कोशी, नारायणी, बागमती, कर्णाली, महाकाली और उनकी सहायक नदियों के अलावा कंकाल, कमला, बर्बई, पूर्वी राप्ती और पश्चिमी राप्ती नदियों के जलस्तर पर भी करीबी नजर रखी जा रही है।

नेपाल सरकार ने खोज और बचाव अभियानों के लिए 21,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया है। वहीं, फंसे हुए लोगों को निकालने और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर लगातार उड़ान भर रहे हैं। वाहनों के आवागमन योग्य 19 पुल और कई राजमार्ग तथा प्रमुख सड़कें बाढ़ में बह गई हैं।

पाकिस्तान में 125 साल पुराना मंदिर ढहाया आरोपी

अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

पाकिस्तान । पंजाब प्रांत में

100 साल से ज्यादा पुराने हिंदू मंदिर को कथित तौर पर मंदरसा बनाने के लिए ज़मीन हासिल करने के मकसद से गिरा दिया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कट्टरपंथी सोच वाले लोगों के एक समूह — जो प्रतिपक्षित दक्षिणपंथी इस्लामी पार्टी ‘तहरीक-ए-



लबैक पाकिस्तान’ (TLP) के सदस्य थे — ने मंदिर को इसलिए गिराया ताकि उसकी ज़मीन को पास के मंदरसे में शामिल किया जा सके। यह मंदिर लाहौर से लगभग 130 किलोमीटर दूर नारोवाल ज़िले के सिराज गाँव में स्थित था। पाकिस्तान मसीहा मिह्लत पार्टी (PMMP) ने पंजाब सरकार से अपील की है कि वह मंदिर को गिराने में शामिल लोगों

रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर के शिखर के धातु के हिस्से, अन्य सामग्री और गिराए गए ढांचे की ईंटों को बाद में घटनास्थल से हटा दिया गया।

मंदिर से सटी ज़मीन को पहले ‘इवैयूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड’ ने मंवरसे के लिए लीज पर दिया था, लेकिन

बाद में इसे रद्द कर दिया गया क्योंकि कई सालों तक किराया नहीं चुकाया गया था। हिंदू मंदिर को गिराए जाने की निंदा करते हुए, कम्युनिटी लीडर रतन लाल ने PTI से कहा, "ज़िला प्रशासन और ET/PP उस जगह की सुरक्षा करने या कथित कच्चेदारों को हटाने के लिए ज़रूरी कदम उठाने में नाकाम रहे, जिसकी वजह से आखिरकार मंदिर को गिरा दिया

अपनी जुबान से मेरी पत्नी का नाम...एल-सयद ने ऐसा क्यों कहा

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को मिशिगन से डेमोक्रेटिक सीनेट उम्मीदवार अब्दुल अल-सईद को चेतावनी दी। अल-सईद ने वेंस की पत्नी और ‘सेकंड लेडी’ उषा वेंस का जिक्र किया था और साथ ही वेंस के दिवंगत दादा के बारे में की गई टिप्पणियों को लेकर रिपब्लिकन नेता पर निशाना भी साधा था।

मिशिगन में रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवार माइक रोजर्स के समर्थन में आयोजित MAGA रैली के दौरान वेंस ने कहा, "अपनी ज़बान पर मेरी पत्नी का नाम बिस्कुट मत लाना।" उन्होंने अल-सयद को "बहुत ही बुरा" भी बताया। एल-सयद ने ऐसा क्या कहा जिससे विवाद खड़ा हो गया?—यह विवाद तब शुरू हुआ जब वेंस ने



ओहियो में एक रैली के दौरान शरिया कानून पर एल-सयद की पिछली टिप्पणियों को लेकर उन पर हमला किया। वेंस ने कहा कि काश वह समय में

पीछे जाकर अपने स्व-जिन्हें वह फ़ापापावफ़ कहते हैं, उनसे उस नेता के बारे में बात कर पाते जो खुद को मेहनतकश लोगों का समर्थक बताता है, लेकिन साथ ही शरिया कानून का समर्थन भी करता है और उसके विरोध को ‘शैत वंशस्थ’ मानता है। उन्होंने कहा यह मेरे दादाजी वाली डेमोक्रेटिक पार्टी नहीं है। बाद में अल-सयद ने एक्स पर वेंस के दादाजी के बारे में बात करने वाले एक वीडियो पर जवाब देते हुए उषा वेंस का जिक्र किया। उषा भारतीय प्रवासियों की बेटी हैं और एक हिंदू परिवार में पत्नी-बढ़ी हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, तो क्या हमें लगता है कि जेडी, उषा को भी पापाव से मिलवाने के लिए अपने साथ समय में पीछे ले जा रहे हैं, या नहीं...?

सुको से छात्रों को बड़ी राहत! सरकार ने एफआईआर रद्द करने के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ़सभी एफ़आईआर रद्द कर दी हैं, जिसका केंद्र सरकार ने स्वागत किया। केन्द्रीय मंत्री जेपी नन्हा ने कॉलेजोंक जनता पार्टी की शिक्षा सुधार संबंधी मांगों को पूरा करने और



युवाओं के उत्थान को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया। यह निर्णय NEET परीक्षा विवाद के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों में शामिल छात्रों को बड़ी राहत प्रदान करता है। केन्द्रीय मंत्री जेपी नन्हा ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें देश भर में छात्र प्रदर्शनकारियों के ख़िलाफ़20 से 25 जुलाई के बीच दर्ज सभी ख़ट्बूक़ों को रद्द कर दिया गया है। यह फैसला ‘कॉलेजोंक जनता पार्टी’ (CJP) द्वारा 5 सितंबर को अपना मार्च वापस लेने के बाद आया है। एक प्रेस कॉन्फ़्रेंस में बोलते हुए, नन्हा ने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार शिक्षा सुधारों को लेकर CJP की सभी मांगों को पूरा करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं का उत्थान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नन्हा ने कहा कि छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए, हमने भारत सरकार की ओर से भरोसा दिलाया था कि प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ़दर्ज मामले वापस ले लिए



हाईकोर्ट से नियमित मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की मांग की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि राजस्थान हाईकोर्ट के कई न्यायाधीशों ने कथित तौर पर कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के व्यवहार को लेकर अपनी चिंता और पीड़ा व्यक्त की है। इसी पृष्ठभूमि में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का रुख विशेष महत्व रखता है। जब न्यायमूर्ति मेहता के पत्र सार्वजनिक हुए, तब छद्म ने स्पष्ट किया था कि इन आरोपों पर कॉलेजियम संस्थागत तंत्र के माध्यम से विचार करेंगे। अब राजस्थान हाईकोर्ट के लिए नियमित मुख्य न्यायाधीश की सिफ़ारिश को उसी संस्थागत प्रतिक्रिया के संदर्भ में देखा जा रहा है। यह कार्रवाई इस बात का संकेत देती है कि गंभीर संस्थागत प्रश्नों को केवल सार्वजनिक विवाद के भरोसे नहीं छोड़ा गया, बल्कि संवैधानिक प्रक्रिया के भीतर समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया गया।

राजस्थान हाईकोर्ट जज मामले पर सूर्यकांत के कड़े रुख ने Bar and Bench को दिया सख्त संदेश

राजस्थान हाईकोर्ट में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के प्रशासनिक अधिकारों और कैसे लिस्टिंग को लेकर उठे गंभीर विवाद के बीच भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की कार्रवाई ने न्यायिक व्यवस्था में एक स्पष्ट और महत्वपूर्ण संदेश दिया है। कॉलेजियम ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल को राजस्थान हाईकोर्ट का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफ़ारिश की है। यह निर्णय ऐसे समय आया है, जब कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा के विरुद्ध प्रशासनिक शक्तियों के कथित दुरुपयोग, चयनात्मक कैसे लिस्टिंग और पक्षपात जैसे गंभीर आरोपों को लेकर न्यायपालिका और अधिकांश समुदाय में व्यापक असंतोष सामने आया था। इतिहास दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने अगस्त में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को लिखे तीन पत्रों में न्यायमूर्ति शर्मा के कार्यसंपाती पर गंभीर सवाल उठाए थे। न्यायमूर्ति मेहता ने कथित फ़क़ैवरिटिज़्मफ़, कृप्राशासन, कदाचार, भाई-भतीजावाद और प्रशासनिक अनियमितताओं का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया था कि मास्टर ऑफ़रोस्टर् की शक्तियों का उपयोग करते हुए कुछ मामलों को चयनात्मक ढंग से अपनी पीठ के समक्ष स्थानांतरित किया गया। उन्होंने विशेष रूप से प्रभावशाली और संपन्न वारिधियों से जुड़े मामलों की कैसे लिस्टिंग को लेकर भी चिंता व्यक्त की थी। न्यायमूर्ति मेहता ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश को राजस्थान से स्थानांतरित करने और किसी अन्य

प्राकृतिक
आरोग्य रस



हमारे यहां ज़वादा, आंवला, लोकी, करेली, बीट (वुकन्दर), नीम का ताज़ा रस मिलता है।

अंकुरित अनाज़, अलसी और सभी प्रकार के अचार मिलते हैं।

स्थान-

- नेहरू नगर, गुरुद्वारा रोड, भेलवा पार्क के पास, संपर्क- 8962668141
- सेक्टर-1 अंबेडकर पार्क के सामने, संपर्क- 8349688865

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 53 RNI/CHHBIL/44259 | छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

COMPU WORLD
The Complete Computer Shop

CONTACT US:-
Phone : 0788-4050844, 4083358
Cell No. : 9300226476, 9185157570, 9826169140
Email : revikidukan@gmail.com
16/21, Dakshin Gangotri, Circus Ground Road, Supela (C.G.)
154-156, Akash Ganga, Supela, Bhilai (C.G.)

संक्षिप्त समाचार

रायपुर। मंत्री वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता, संसदीय कार्य केदार कश्यप विभागीय गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर आज छत्तीसगढ़ संवाद के ऑडिटोरियम (नवा रायपुर, अटल नगर) में प्रेस को संबोधित करते हुए



फुलझर मध्यम जलाशय योजना के सर्वेक्षण कार्य के लिए 2.42 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा जशपुर जिले के विकासखण्ड-बगीचा की गुरुरी-फुलझर मध्यम जलाशय योजना के सर्वेक्षण कार्य के लिए दो करोड़ 42 लाख 53 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जल संसाधन विभाग द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। इस योजना के सर्वेक्षण कार्य पूर्ण होने के बाद सिंचाई सुविधा के विस्तार को लेकर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

वर्तमान पर फोकस करें, सीखते रहें और समाज के लिए योगदान दें : राज्यपाल डेका

संत गोबिंदराम शदाणी कन्या महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम रायपुर। संत गोबिंदराम शदाणी शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, रायपुर में वर्ष 2026-27 में नवप्रवेशित छात्राओं का दीक्षारंभ कार्यक्रम मंगलवार को राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राओं का राज्यपाल ने सम्मान भी किया। राज्यपाल रमेन डेका ने नवप्रवेशित छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन उनके जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह अध्याय उन्हें केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखेगा, बल्कि एक जागरूक, सशक्त और संवेदनशील नागरिक के रूप में तैयार करेगा।



नैक-एनआईआरएफरैंकिंग सुधार के लिए रोडमैप बनाएं और नवाचार-स्टार्टअप को दें बढ़ावा विभिन्न शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों की बैठक

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज प्रदेश के विभिन्न शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों की बैठक लेकर विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की संख्या, रिक्त पदों की पूर्ति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन तथा नवाचार एवं स्टार्टअप गतिविधियों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत समीक्षा की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में सीटों के अनुपात में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और इस दिशा में प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में जहां भी व्यवस्थागत कमियाँ हैं, उन्हें दूर किया जाए तथा शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए सभी विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए। राज्यपाल श्री डेका ने विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए उन्हें शीघ्र भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया में नियमानुसार स्थानीय योग्य एवं प्रतिभाशाली लोगों को प्राथमिकता देने के प्रयास किए जाएं, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर मिल सके। श्री डेका ने विश्वविद्यालयों की नैक एवं एनआईआरएफ (NIRF) रैंकिंग की स्थिति की समीक्षा



की। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालय अपनी रैंकिंग में सुधार के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार करें। 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' संकल्प अभियान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ा' राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को अपने आसपास के गांवों को गोद लेकर वहां इनोवेशन एवं स्टार्टअप गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में उपलब्ध ज्ञान, विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचना चाहिए। विद्यार्थियों को स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए नवाचार एवं उद्यमिता से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' संकल्प अभियान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा विद्यार्थियों को खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में इंटरनल ऑडिट अनिवार्य रूप से कराने तथा इसके लिए इंटरनल कमेटी गठित करने के निर्देश दिए।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से भटगांव को बड़ी मिली सौगात

-बुदिया और बड़सरा में खुलेंगे नए धान उपार्जन केंद्र -महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े -किसानों की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, समय और परिवहन खर्च की हेगी बचत रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र के किसानों को बड़ी सौगात मिली है। सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड के ग्राम बुदिया एवं बड़सरा में नवीन धान उपार्जन केंद्र खोलने की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस संबंध में विधिवत आदेश जारी कर दिया गया है। क्षेत्र के किसानों द्वारा लंबे समय से नए धान उपार्जन केंद्र खोलने की मांग की जा रही थी। भटगांव विधानसभा क्षेत्र



के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों एवं किसानों ने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को अपनी समस्या से अवगत कराया था। किसानों ने बताया था कि वर्तमान में दूर स्थित उपार्जन केंद्रों तक धान ले जाने में उन्हें अतिरिक्त समय और परिवहन व्यय वहन करना पड़ता है। किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल को पत्र लिखकर बुदिया एवं बड़सरा में नवीन धान उपार्जन केंद्रों की स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया था। मंत्री के प्रयासों के फलस्वरूप शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 एवं आगामी वर्षों के लिए दोनों केंद्रों की स्थापना को मंजूरी दी गई है।

छत्तीसगढ़ में लक्ष्य का 98 प्रतिशत बोनी पूर्ण

-प्रदेश में चालू खरीफ सीजन 2026 के लिए निर्धारित लक्ष्य से अधिक उर्वरक का भंडारण

-अब तक किसानों को 12.48 लाख मैट्रिक टन उर्वरकों का वितरण

रायपुर। प्रदेश में खेती किसानों का कार्य जोरों पर है। राज्य में 01 सितंबर की स्थिति में राज्य के 47.63 लाख हेक्टेयर क्षेत्रों में लक्ष्य का 98 प्रतिशत बोनी पूर्ण हो चुकी है। इस खरीफ सीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश किसानों को

सुगमता से मिले खाद-बीज मुख्यमंत्री ने किसानों को खेती-किसानी में सहूलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों निर्देशित किए गए हैं। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने को कहा है। खाद-बीज वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही सोसायटियों में पर्याप्त खाद-बीज का भण्डारण कर सतत निगरानी करने को कहा गया है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

ढलानों पर बनेगी जल-संरक्षण की राह, संवरेंगे खेत और गांव

रायगढ़ जिले में कुल 16 हजार 873 टैंच निर्माण का लक्ष्य निर्धारित, 52.55 लाख रुपये स्वीकृत रायपुर। वर्षा जल के बेहतर प्रबंधन, मिट्टी के कटाव को रोकने और ग्रामीण क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में रायगढ़ जिले में स्टैगर्ड कंटूर टैंच एवं कंटूर टैंच निर्माण के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। ढलान वाले क्षेत्रों में किए जा रहे ये कार्य वर्षा जल के तेज बहाव को नियंत्रित कर उसे भूमि में समाहित करने में सहायक होंगे, जिससे खेतों की नमी और भूमि की उत्पादकता को बनाए रखने में मदद मिलेगी।



जिले में कुल 16 हजार 873 टैंच निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो लगभग 38.27 एकड़ क्षेत्र में निर्मित किए जाएंगे। इन कार्यों के लिए 52.55 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस योजना के अंतर्गत रायगढ़, खरसिया और तमनार विकासखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में कुल 28 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें रायगढ़ विकासखंड में 6, खरसिया में 16 तथा तमनार विकासखंड में 6 कार्य शामिल हैं। 'वर्षा जल का संरक्षण, मिट्टी के कटाव पर नियंत्रण'-स्टैगर्ड कंटूर टैंच एवं कंटूर टैंच का निर्माण विशेष रूप से ढलान वाले क्षेत्रों में वर्षा जल के बहाव को नियंत्रित करने के उद्देश्य से किया जाता है। इन संरचनाओं के माध्यम से पानी को रोककर धीरे-धीरे जमीन में समाहित होने का अवसर मिलता है। इससे भू-क्षरण कम

होने, मिट्टी में नमी बनाए रखने और भूमि की उत्पादक क्षमता को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। 'प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ रोजगार का अवसर' इन कार्यों को ग्रामीण समुदाय की भागीदारी और श्रम आधारित गतिविधियों के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है। इससे एक ओर जल, जंगल और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। ढलानों पर बनाई जा रही ये छोटी-छोटी जल संरचनाएं भविष्य में खेतों और गांवों के लिए बड़े बदलाव का आधार बन सकती हैं। "जल और मिट्टी का संरक्षण, समृद्ध गांव की मजबूत नींव" के उद्देश्य के साथ रायगढ़ जिले में किए जा रहे ये कार्य प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और ग्रामीण आजीविका सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

सेक्टर-18 में 40 एकड़ में आकार लेगा राष्ट्रीय स्तर का शिक्षण संस्थान



-मुख्यमंत्री की उपस्थिति में लीज अनुबंध और भूमि रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को उच्च शिक्षा, कौशल और ज्ञान के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। देश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (NMIMS) अब नवा रायपुर अटल नगर में अपना कैंपस स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में आज संस्थान की स्थापना के लिए लीज अनुबंध की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही भूमि की रजिस्ट्री भी पूर्ण कर ली गई। इसके साथ ही नवा रायपुर में NMIMS की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है। NMIMS की स्थापना इसी संकल्प की महत्वपूर्ण कड़ी है।

माता कौशल्य धाम के कॉटेज के संचालन के लिए तीन बार निविदा, न्यूनतम प्रस्ताव नहीं मिलने से हुई निरस्त

पर्यटकों की सुविधा के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल ने की लगातार पहल, अब लीज पर संचालन की प्रक्रिया प्रस्तावित

रायपुर। माता कौशल्य धाम, चंदखुरी में पर्यटकों की सुविधा के लिए तैयार किए गए कॉटेज के लंबे समय से बंद होने के संदर्भ में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की ओर से स्थिति स्पष्ट की गई है। पर्यटन मंडल के अनुसार, कॉटेज के संचालन के लिए विभाग की ओर से लगातार प्रयास किए गए हैं। इसके संचालन और मेंटेनेंस के लिए तीन बार निविदा प्रक्रिया आयोजित की गई, लेकिन प्रत्येक बार न्यूनतम आवश्यक प्रस्ताव प्राप्त नहीं होने के कारण निविदा प्रक्रिया निरस्त करनी पड़ी। माता कौशल्य धाम को प्रदेश के महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में विकसित किया जा रहा है। यहां आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कॉटेज तैयार किए गए हैं। इनके संचालन एवं प्रबंधन के लिए पर्यटन मंडल द्वारा समय-समय पर निविदा प्रक्रिया अपनाई गई।

पहली बार निविदा प्रक्रिया के बाद आवश्यक न्यूनतम प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुए। इसके बाद पुनः निविदा आमंत्रित की गई, लेकिन दूसरी बार भी निर्धारित न्यूनतम आवश्यक प्रस्ताव प्राप्त नहीं हो सके। तीसरी बार भी यही स्थिति बनी। परिणामस्वरूप नियमानुसार तीनों निविदा प्रक्रियाओं को निरस्त करना पड़ा। पर्यटन मंडल द्वारा कॉटेज को पर्यटकों के उपयोग में लाने के लिए लगातार प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। 'अब लीज पर संचालन का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा' पर्यटन मंडल के अनुसार, वर्तमान में उक्त कॉटेज के लीज पर संचालन के लिए प्रस्ताव तैयार कर प्रक्रिया प्रस्तावित की जा रही है। इस प्रक्रिया के पूर्ण होने के बाद कॉटेज का संचालन शुरू करने का लक्ष्य है, जिससे माता कौशल्य धाम आने वाले पर्यटकों को ठहरने एवं खान - पान सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। माता कौशल्य धाम में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा विभाग की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने तथा कॉटेज को शीघ्र



पर्यटकों के लिए उपयोगी बनाने की दिशा में वैकल्पिक प्रक्रिया अपनाई जा रही है। 'पर्यटन सुविधाओं को बढ़ाने पर लगातार जोर' माता कौशल्य धाम केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल भी है। यहां देश-प्रदेश से श्रद्धालुओं और पर्यटकों का आगमन होता है। ऐसे में पर्यटकों के ठहरने और अन्य आवश्यक सुविधाओं को मजबूत करना पर्यटन मंडल की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी क्रम में तैयार किए गए कॉटेज का संचालन शुरू करने के लिए अब लीज मॉडल के माध्यम से प्रक्रिया आगे बढ़ाने की तैयारी है। इससे पूर्व अपनाई गई तीन निविदा प्रक्रियाओं में न्यूनतम आवश्यक प्रस्ताव नहीं मिलने के कारण उत्पन्न स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। लीज पर संचालन के लिए प्रस्ताव तैयार कर प्रक्रिया प्रस्तावित की जा रही है। प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद कॉटेज का संचालन शुरू होने से माता कौशल्य धाम आने वाले पर्यटकों को ठहरने की बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

बिहार की 48 वर्षीय महिला की अम्बेडकर अस्पताल में सफल बाईपास सर्जरी

-मरीज के हृदय की तीनों प्रमुख नसों में था ब्लॉकेज, अत्यधिक अनियंत्रित ब्लड शुगर को नियंत्रित करने के बाद की गई बीटिंग हार्ट कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी (CABG) -आयुष्मान योजना के तहत हुआ ऑपरेशन, दूसरे दिन से चलने लगी मरीज -इस मरीज के हृदय की तीनों नसों (Coronary Artery) में ब्लॉकेज था जिसको TRIPLE VESSEL DISEASE (TVD) कहा जाता है एवं हार्ट मात्र 40% कम कर रहा था -बीटिंग हार्ट बाईपास सर्जरी की तकनीक का उपयोग करके बाईपास के लिए धमनियों (Mammary Artery) का उपयोग किया गया -सामान्यतः Arterial graft की आयु सबसे अधिक होती है



रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्क्यूलर सर्जरी विभाग में बिहार के मधुबनी जिले की 48 वर्षीय महिला की सफल कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी की गई। मरीज के हृदय की तीनों प्रमुख कोरोनरी धमनियों में गंभीर ब्लॉकेज था,

जिसे चिकित्सकीय भाषा में ट्रिपल वेसल डिजीज कहा जाता है। साथ ही मरीज के हृदय की पंपिंग क्षमता लगभग 40 प्रतिशत थी। विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ. कृष्णकांत साहू एवं उनकी टीम ने मरीज की बीटिंग हार्ट कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी सफलतापूर्वक की। इस सर्जरी में बाईपास के लिए मैमरी आर्टरी का उपयोग किया गया। सामान्यतः आर्टिरियल ग्राफ्ट को लंबे समय तक प्रभावी रहने वाला ग्राफ्ट माना जाता है। सीने की हड्डी को खोलकर गोल्ड स्टैंडर्ड तकनीक से सर्जरी-मरीज की सर्जरी मिडलाइन स्टर्नोटोमी तकनीक से की गई। इसमें सीने की मध्य हड्डी यानी स्टर्नम को सावधानीपूर्वक खोलकर हृदय तक पहुंच बनाई जाती है। कोरोनरी बाईपास सर्जरी में यह एक स्थापित एवं विश्वसनीय ऑपरेटिव तकनीक है, जिसे गोल्ड स्टैंडर्ड तकनीक के रूप में जाना जाता है।

A Complete Family Garden Restaurant
Dhillon Chicken
Indian Chinese Tandoor
Garden Lawn Family Restaurant, Separate Family A.C. Room
FREE Home Delivery With in 3 K.M. 9788-4011912
VEG & NON-VEG
• Marriage & Birthday Party
• Party Catering • Party Lawn
• Door to Door Catering
New Opening at **Chopati Civic Centre Bhilai**
Near Chandulal Chandrakar Hospital, Nehru Nagar Chowk, Bhilai (C.G.)
Mob: 9302401912, 9301999211
Ph: 0788-4011912

यूसीसी के लिए सर्व आदिवासी समाज और महिला आयोग ने दिए अहम सुझाव

रायपुर । छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (UCC) का सर्वसमावेशी प्रारूप तैयार करने की दिशा में प्रक्रिया तेज हो गई है। राजधानी रायपुर के न्यू सैफ्टि हाउस में मंगलवार को यूसीसी समिति के समक्ष बस्तर से लेकर सरगुजा तक के प्रतिनिधियों की आवाज गूजी। इस परिचर्चा में सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष और प्रतिनिधियों, अध्यक्ष राज्य महिला आयोग, अध्यक्ष राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग और अध्यक्ष राज्य फ्लिम विकास निगम ने विवाह, तलाक, भरण-पोषण और उत्तराधिकार जैसे संवेदनशील विषयों पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। समिति के सदस्यों सेवानिवृत्त आईएसएस एम. के.



राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार, सेवानिवृत्त श्रीमती ज्योति रानी सिंह और सदस्य सचिव श्याम धावड़े ने सभी सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्चर्य किया कि राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक ताने-बाने का पूरा ध्यान रखा जाएगा।